वर्ष-15, अंक-247
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

**सुविचार**
मुश्किलें आएंगी, लेकिन हार मानना कभी मत।

# सिटी चीफ

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, गुरुवार 12 दिसम्बर 2024

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

## 110 साल के संत सियाराम बाबा ने देह त्यागी, अंतिम संस्कार में पहुंचे सीएम

खरगोन। निमाड़ के प्रसिद्ध संत सियाराम बाबा पंचतत्व में विलीन हो गए। खरगोन में कसरावद के तेली भट्यान गांव में नर्मदा किनारे उनका अंतिम संस्कार किया गया। साधु-संतों ने उन्हें मुखाग्नि दी। इस दौरान लाखों की संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं ने नम आंखों से उन्हें विदाई दी। सीएम डॉ. मोहन यादव भी अंतिम संस्कार में शामिल हुए। इससे पहले सियाराम बाबा की उनके आश्रम से नर्मदा घाट तक अंतिम यात्रा निकाली गई। इस दौरान श्रद्धालुओं ने जय सियाराम के नारे लगाए। करीब तीन लाख लोगों ने बाबा के अंतिम दर्शन किए। बुधवार दोपहर करीब तीन बजे सीएम डॉ. मोहन यादव ने आश्रम पहुंचकर बाबा को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने बाबा की समाधि व क्षेत्र को पवित्र और पर्यटन स्थल बनाने की घोषणा की। बता दें कि प्रसिद्ध संत सियाराम बाबा का 110 वर्ष की आयु में निधन हो गया। बाबा ने बुधवार को मोक्षदा एकादशी पर सुबह 6.10 बजे अंतिम सांस ली। बाबा पिछले 10 दिन से निमोनिया से पीड़ित थे। निधन से देशभर में उनके अनुयायियों में शोक की लहर है। संत सियाराम के अनुयायियों ने बताया, बाबा का असली नाम कोई नहीं जानता। वे 1933 से नर्मदा किनारे रहकर तपस्या कर रहे थे। 10 साल तक खड़े रहकर मौन तपस्या की। वे करीब 10 साल से रामचरित मानस का पाठ भी कर रहे थे। उन्होंने अपने तप और त्याग से लोगों के हृदय में जगह बनाई। उनके मुंह से पहली बार सियाराम का उच्चारण हुआ था, तभी से लोग उन्हें संत सियाराम बाबा कहकर पुकारते हैं।

## पहाड़ों पर बर्फबारी से ठिठुरे मैदानी इलाके इस राज्य में सभी स्कूलों का टाइम बदला

जम्मू और कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड समेत देश के पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी के बाद मैदानी इलाकों का भी मौसम बदल गया है. देश के उत्तरी हिस्से में हो रही बर्फबारी ने मैदानी इलाकों में ठिठुरट बढ़ा दी है. मध्य प्रदेश में पड़ रही कड़ाके की ठंड, कोहरे और तापमान उतार चढ़ाव को देखते हुए राजधानी भोपाल के स्कूल खुलने का समय बढ़ा दिया गया है.जिला शिक्षा अधिकारी ने आदेश जारी कर अगले आदेश तक सभी सरकारी और प्राइवेट स्कूलों के खुलने का समय बढ़ा दिया है. भोपाल में सभी स्कूल अब सुबह 9 बजे से खुलेंगे. भोपाल जिला शिक्षा अधिकारी के आदेश के अनुसार जिलेभर के स्कूल सुबह 9 बजे के पहले नहीं खोले जा सकेंगे. अब गुरुवार से स्कूल नए समय पर खुलेंगे. यह निर्देश सभी सीबीएसई, आईसीएसई और एमपी बोर्ड से जुड़े स्कूलों के लिए जारी किया गया है.

**9 बजे से पहले नहीं खुलेंगे स्कूल** कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी, जिला भोपाल की ओर से जारी निर्देश में कहा गया है, भोपाल में तापमान में कमी एवं शीतलहर के कारण समस्त शासकीय/अशासकीय/सीबीएसई/आईसीएसई एवं अन्य बोर्ड से सम्बद्ध विद्यालयों में पढ़ रहे छात्र-छात्राओं के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना है. इसलिए उक्त स्थिति को ध्यान में रखते हुए सभी स्कूलों के प्राचार्यों को निर्देशित क्या जाता है कि विद्यालय का संचालन सुबह 9 बजे से पहले नहीं करेंगे. परीक्षाओं का संचालन पहले के नियत समय सारणी अनुसार ही रहेगा. यह निर्देश तत्काल प्रभावशील होगा.

**मध्य प्रदेश में ठंड ने तोड़ा रिकॉर्ड** दरअसल, उत्तर भारत से आने वाली हवाओं के कारण बीते 2 दिनों से प्रदेश के न्यूनतम तापमान में गिरावट दर्ज की जा रही है. सोमवार की बीती रात प्रदेश के 24 से अधिक शहरों का न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया. मध्य प्रदेश में सबसे अधिक ठंडी रात पचमढ़ी में रही. यहां 24 घंटे में 5.5 डिग्री तक न्यूनतम तापमान में गिरावट दर्ज की गई. वहीं जबलपुर, उमरिया, नौगांव, रायसेन और राजगढ़ में पारा 7 डिग्री के नीचे पहुंच गया. मंगलवार को भी भोपाल में शीतलहर के साथ-साथ कोल्ड डे भी रिकॉर्ड किया गया था जिसमें दिन और रात के न्यूनतम तापमान में गिरावट दर्ज की गई थी.

**अभी और गिरेगा पारा** मौसम विभाग की माने तो फिलहाल पहाड़ी क्षेत्रों में बर्फबारी का दौरा जारी है. हिमाचल प्रदेश के कुछ में बारिश भी हुई है. घाटी का तापमान शून्य से 20 डिग्री तक नीचे गिर गया है. उत्तराखंड के पहाड़ी इलाकों में स्नोफॉल हो रहा है. केदारनाथ-बद्रीनाथ से लेकर शिमला तक उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश के शहरों में सीजन की पहली बर्फबारी देखने को मिली है. मौसम विभाग की ओर से हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में शीतलहर चलने की भविष्यवाणी की गई है. आने वाले दो से तीन दिनों तक मौसम ऐसा ही बना रहेगा. न्यूनतम तापमान में 2 से 3 डिग्री की गिरावट हो सकती है.

## 36 हजार के एरियर के लिए 20 हजार की घूस लेने वाला अधिकारी पकड़ाया

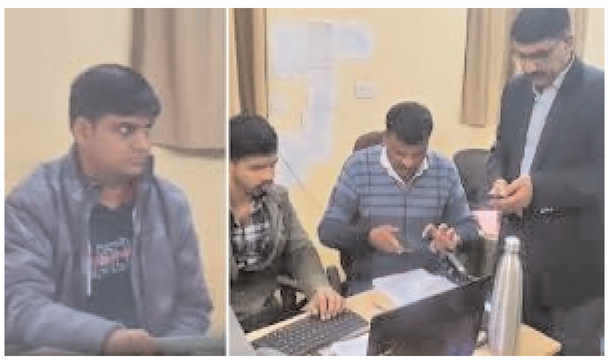

इंदौर। पुलिस महानिदेशक लोकायुक्त जयदीप प्रसाद के भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त कदम उठाने के निर्देश पर इंदौर लोकायुक्त इकाई ने एक महत्वपूर्ण ट्रैप ऑपरेशन को अंजाम दिया। आवेदक राजकुमार काले, जो 60 वर्ष के हैं और श्रम कल्याण संगठन में मल्टी-टास्क सर्विस के पद पर कार्यरत हैं, ने लोकायुक्त पुलिस अधीक्षक राजेश सहाय को शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के अनुसार, राजकुमार को उनकी वेतन विसंगति सुधार के बाद 36,000 रुपए की एरियर राशि प्राप्त होनी थी। इस राशि को जारी करने के बदले श्रम कल्याण प्रशासक विजेंद्र कुमार गुप्ता ने 20,000 रुपए रिश्वत की मांग की थी। शिकायत के सत्यापन के बाद इसे सही पाए जाने पर लोकायुक्त इकाई ने ट्रैप दल का गठन किया। बुधवार को ओल्ड मालवा हाउस स्थित श्रम कल्याण प्रशासक कार्यालय में आरोपी विजेंद्र कुमार गुप्ता को 20,000 रुपए रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया। इस कार्रवाई के दौरान आरोपी पर भ्रष्टाचार निवारण (संशोधन) अधिनियम 2018 की धारा 7 के तहत कार्यवाही की गई। इस ट्रैप ऑपरेशन में उपुअ. प्रवीण सिंह बघेल के नेतृत्व में निरीक्षक राहुल गजभिये और आरक्षक विजय शेलार, आदित्य भदौरिया, शिव प्रकाश पाराशर, कृष्णा अहिरवार, शैलेंद्र सिंह, कमलेश तिवारी और शेरसिंह ने हिस्सा लिया। यह कार्रवाई लोकायुक्त की भ्रष्टाचार के खिलाफ कठोर और निष्पक्ष नीति को दर्शाती है। इस कदम से सरकारी कार्यालयों में भ्रष्टाचार के खिलाफ कड़ा संदेश जाएगा और आम जनता को न्याय दिलाने में मदद मिलेगी।

## संजय मल्होत्रा ने संभाला भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर का पद, तीन साल रहेंगे पद पर

नई दिल्ली। रेवेन्यू सेक्रेटरी संजय मल्होत्रा ने बुधवार को भारतीय रिजर्व बैंक के 26वें गवर्नर के रूप में कार्यभार संभाल लिया। वे अगले तीन वर्षों तक इस पद पर रहेंगे। आरबीआई के गवर्नर के रूप में उनकी नियुक्ति भारतीय बैंकिंग और वित्तीय प्रणाली को मजबूत करने के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है। उन्होंने शक्तिकांत दास की जगह ली है। केंद्र सरकार ने शक्तिकांत दास का कार्यकाल आगे नहीं बढ़ाने का फैसला किया था। शक्तिकांत दास ने 2018 में आरबीआई गवर्नर का पद संभाला था। मल्होत्रा, दुव्वुरी सुब्बाराव के बाद पहले आरबीआई गवर्नर हैं, जो सीधे नॉर्थ ब्लॉक (भारत के वित्तमंत्रालय का ऑफिस) से आए हैं। फाइनेंस, टैक्सेशन और आईटी में एक्सपर्ट माने जाने वाले मल्होत्रा हाल ही में रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के सेक्रेटरी के तौर पर काम कर चुके हैं।

उनका कार्यकाल कई चुनौतियों के बीच शुरू हुआ है, जिनमें आर्थिक विकास को बढ़ावा देना, महंगाई को काबू में रखना और एक्सचेंज रेट को स्थिर रखना शामिल है।

## स्कूल में राधे-राधे बोलने पर सातवीं के छात्र के साथ टीचन ने की मारपीट

नरसिंहपुर। नरसिंहपुर जिले के चावरा विद्यापीठ स्कूल में राधे-राधे बोलने पर एक छात्र के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। आरोप है कि टीचर हबीब शाह खान ने सातवीं के छात्र को थप्पड़ मारते हुए उसे धार्मिक संबोधन के लिए अपमानित किया। मामले की शिकायत छात्र के पिता ने जिला प्रशासन से की है। घटना 10 दिसंबर की है। स्कूल परिसर में बस पहुंची तो शिक्षक हबीब शाह खान ने छात्र को तेजी से बस से उतरने को कहा। जवाब में छात्र ने शिक्षक से सादर राधे-राधे कहा। आरोप है कि इससे गुस्साए शिक्षक ने छात्र को थप्पड़ मारा और कहा, अभी निकालूं राधे-राधे। इसके बाद, छात्र ने परीक्षा पूरी की और घर लौटकर अपने पेरेंट्स को इसकी जानकारी दी। छात्र के पेरेंट्स ने अगले दिन, 11 दिसंबर को स्कूल ऑफिस जाकर मौखिक रूप से इस घटना की शिकायत की। उन्होंने शिक्षक के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की मांग की। हालांकि, पूरा दिन बीतने के बाद भी स्कूल प्रबंधन की ओर से न तो कोई संतोषजनक जवाब आया और न ही कार्रवाई की गई। स्कूल के इस रवैये से नाराज पेरेंट्स ने अधिकारियों से न्याय की गुहार लगाई है।

## महाराष्ट्र में अंबेडकर प्रतिमा और संविधान के अपमान पर आगजनी-तोड़फोड़

परभणी। महाराष्ट्र के परभणी शहर में कलेक्टर कार्यालय के सामने संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर की मूर्ति और वहां रखी भारतीय संविधान की प्रतिकृति को कथित तौर पर क्षतिग्रस्त करने पर भारी बवाल मच गया। इस घटना के खिलाफ बुधवार को हिंसक विरोध प्रदर्शन हुआ। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि कुछ संगठनों द्वारा बुलाए गए बंद के बीच भीड़ ने आगजनी की और कई जगहों पर तोड़-फोड़ की। पुलिस ने उपद्रवियों को काबू में करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े। दरअसल, परभणी रेलवे स्टेशन के बाहर डॉ. बीआर अंबेडकर की प्रतिमा के सामने स्थापित संविधान की पत्थर की प्रतिकृति मंगलवार की शाम क्षतिग्रस्त पाई गई, जिसके बाद देर शाम से ही अंबेडकर के अनुयायियों ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। पुलिस ने घटना के संबंध में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया, लेकिन बुधवार सुबह विरोध प्रदर्शन फिर से शुरू हो गया। पुलिस के मुताबिक संविधान और अंबेडकर की प्रतिमा के अपमान की सूचना फैलने के बाद लगभग 200 लोगों की भीड़ प्रतिमा के पास जमा हो गई और नारेबाजी करने लगी। पुलिस ने बताया कि भीड़ ने कथित तौर पर पत्थरबाजी भी की और नारे लगाए। कार्यवाहक पुलिस अधीक्षक यशवंत काले ने बताया कि दोपहर करीब एक बजे प्रदर्शनकारियों ने एक दुकान के बाहर पाइपों में आग लगा दी। भीड़ के हिंसक होने पर पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े और उन्हें तितर-बितर कर दिया। स्थानीय पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले के वासमत इलाके में भी बंद का असर देखा गया।

## ट्रेनों में 12 हजार जनरल कोच जोड़ेगा रेलवे, रेल मंत्री ने सदन में किया ऐलान

नई दिल्ली। देशभर में करोड़ों लोग रेल से सफर करते हैं। रोजाना एक जगह से दूसरी जगह जाते हैं। कइयों को तो टिकट मिल जाता है, लेकिन कुछ को सीटों की कमी की वजह से नहीं मिलता। ऐसे में अब भारतीय रेलवे का पूरा ध्यान गरीब जनता पर है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान लोकसभा में इसको लेकर बड़ा ऐलान भी किया है, जोकि करोड़ों भारतीयों के लिए किसी खुशखबरी से कम नहीं है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने संसद में बताया है कि रेलवे का पूरा फोकस गरीब और मिडिल क्लास परिवार पर है। करीब 12 हजार जनरल कोच बनाए जा रहे हैं। इस वित्त वर्ष में 900 जनरल कोच एक्स्ट्रा जोड़े जा चुके हैं। उन्होंने बताया कि छठ और दिवाली के फेस्टिवल सीजन में विशेष रूप से, 7900 स्पेशल ट्रेन चलाई गईं एवं 1 करोड़ 80 लाख पैसेंजर्स ने बिना किसी दिक्कत के इन ट्रेनों से यात्रा की।

**महाकुम्भ के लिए 13,000 ट्रेनों की व्यवस्था** रेल मंत्री ने बताया कि महाकुम्भ आ रहा है, महाकुम्भ के लिए 13,000 ट्रेनों की व्यवस्था की गई है। गरीबों के लिए, मध्यम वर्गीय परिवारों के लिए बहुत फोक्सड-वे में रेलवे का प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में काम चल रहा है । उन्होंने कहा, एक नई जो ट्रेन डेवलप की गई अमृत भारत ट्रेन, इसमें वही टेक्नोलॉजी है जो कि वंदे भारत ट्रेन में है। दोनों ट्रेन करीब - करीब 10 महीनें चल चुकी हैं उसी अनुभव के आधार पर 50 और ट्रेनों का प्रोडक्शन प्लान ले लिया गया है।

**रेलवे सुरक्षा पर पूरा जोर** रेल मंत्री के अनुसार, रेलवे सुरक्षा पर पूरा जोर दिया गया है और व्यापक पैमाने पर काम हुआ है। मंत्री ने कहा कि 1.23 लाख किलोमीटर लंबी पुरानी पटरियों को बदला गया है तथा नई प्रौद्योगिकी का सहारा भी लिया गया है। वैष्णव ने कहा कि हम हर घटना की जड़ में जाते हैं और प्रक्रिया, तकनीक समेत जहां भी बदलाव जरूरी हो, वह करके रेलगाड़ियों के पटरी से उतरने तथा ट्रेन हादसों की संख्या को कम करेंगे और सुरक्षा बढ़ाएंगे। इसके लिए मोदी सरकार प्रतिबद्ध है।

# व्यापारियों से ढाई करोड़ ठगने वाले को प्लेन से पीछा कर दिल्ली में पकड़ा

**सिटी चीफ इंदौर।**

इंदौर। 2 करोड़ 61 लाख रुपए लेकर व्यापारियों को शक्कर नहीं देने वाले एक आरोपी को क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार कर लिया है। शक्कर व्यापारियों को सस्ते दाम में शक्कर उपलब्ध करवाने के बहाने 2.61 करोड़ से अधिक रुपए एडवांस लेने के बाद उन्हें शक्कर नहीं देने वाले पुणे के व्यापारी मितेश नाहटा और साजन पांचपुते के खिलाफ इंदौर के 7 व्यापारी फर्म दर्शन इंटरप्राइजेस, राधाकृष्ण ट्रेडर्स, चंचल ट्रेडर्स, श्रीकृष्णा ट्रेडर्स, पी. योगेशचंद एण्ड कंपनी, नाकोडा शुगर ब्रोकर, आगम ट्रेडर्स और बीना के 2 व्यापारी फर्म राजेंद्र कुमार, अजीत कुमार सर्वोदय चौक बीना और महावीर किराना भंडार ने शिकायत की थी। व्यापारियों ने शिकायत की थी कि रुपए लेने के बावजूद मितेश और साजन ने शक्कर सप्लाई नहीं की है। व्यापारियों की शिकायत पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी की धाराओं में प्रकरण दर्ज कर मामले की जांच शुरू की, इस मामले में क्राइम ब्रांच डीसीपी राजेश त्रिपाठी ने बुधवार को बताया कि एफआईआर दर्ज होने के बाद इंदौर क्राइम ब्रांच की टीम ने एक आरोपी मितेश नाहटा को दिल्ली एयरपोर्ट से गिरफ्तार किया है।

**पुणे से भागा मुंबई और मुंबई से दिल्ली**

क्राइम ब्रांच डीसीपी राजेश त्रिपाठी ने बताया कि आरोपी मितेश नाहटा को गिरफ्तार करने के लिए टीम कार से पुणे के लिए रवाना हुई। पुलिस के आने की भनक लगते ही

मितेश भाग खड़ा हुआ। जब पुलिस पुणे पहुंची उसके थोड़ी देर पहले ही वह भागा था। पुलिस को जानकारी लगी कि वह मुंबई की ओर भागा है तो पुलिस भी उस के पीछे लग गई। लोकेशन ट्रेस करने पर उसके एयरपोर्ट पर होने की जानकारी लगी। इसके बाद पुलिस की टीम मुंबई एयरपोर्ट पहुंच गई, लेकिन उसके पहले आरोपी मितेश फ्लाइट से दिल्ली के लिए उड़ चुका था। इसकी जानकारी एसआई लुहारिया ने अपने अधिकारियों को दी, इसके बाद अधिकारियों ने उनकी टीम के फ्लाइट से दिल्ली जाने की व्यवस्था की और दिल्ली एयरपोर्ट पर सीआईएफ को सूचना देकर आरोपी मितेश को एयरपोर्ट पर ही रुकवा दिया। फ्लाइट से 2 घंटे बाद दिल्ली पहुंचे एसआई ने मितेश को एयरपोर्ट से हिरासत में लिया और फ्लाइट से उसे इंदौर लेकर पहुंच गए। आरोपी को कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लिया गया है, वहीं दूसरे आरोपी साजन की पुलिस तलाश कर रही है।

**दूसरे साथी को भी तलाश रही पुलिस**

पुलिस आरोपी से पूछताछ करने के साथ ही उसके दूसरे साथी को भी तलाश कर रही हैं। मामले में पुलिस ने मितेश नहाटा को गिरफ्तार कर लिया। वही उसके साथी साजन की तलाश की जा रही है। मितेश ने इंदौर के व्यापारियों से करीब 2 करोड़ 61 लाख रुपए शक्कर भेजने के बदले लिए थे। जिसे दिल्ली के व्यापारियों के खाते में ट्रांसफर किया गया था।

**क्रिक एक्शन से पकड़ा गया**

आरोपी को पकड़ने के लिए क्राइम ब्रांच टीम ने महाराष्ट्र से लेकर दिल्ली तक योजना बनाकर क्विक कार्रवाई की गई। गिरफ्तार आरोपी ने पूछताछ में धोखाधड़ी करने की बात स्वीकार की है। फरार आरोपी साजन पांचपुते की तलाश जारी है। आरोपी को पुलिस रिमांड पर लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने अपील की है कि किसी भी वित्तीय लेनदेन में सावधान रहें।

महिला कारोबारी को डिजीटल अरेस्ट करने वाले दो और गिरफ्तार

क्राइम ब्रांच ने डिजीटल अरेस्ट मामले में दो औँर आरोपियों को गिरफ्तार किया हैं। आरोपियों के नाम अल्ताफ और विवेक है। आरोपियों के पास से बैंक की पासबुक और अन्य डॉक्यूमेंट मिले हैं। ्इम ब्रांच के मुताबिक आरोपियों ने शेयर कारोबारी वंदना गुप्ता के साथ हुई डिजीटल अरेस्ट के मामले में अकाउंट में रुपए ट्रांसफर करवाए थे। इसके पहले क्राइम ब्रांच राकेश बंसल, उसके पिता चद्रभान बंसल निवासी मैहर और अभिषेक व अन्य को सूरत से इस मामले में गिरफ्तार कर चुकी हैं।

# शीतलहर के चलते सुबह 9 बजे के बाद ही खुलेंगे स्कूल

**सिटी चीफ इंदौर।**

इंदौर। मध्यप्रदेश में ठंड का कहर देखने को मिल रहा है। शीतलहर के कारण भोपाल और इंदौर में स्कूलों का समय बदल गया है। पहली से आठवीं कक्षा तक के स्कूल अब सुबह 9 बजे के बाद शुरू होंगे। यह बदलाव बच्चों की सेहत को ध्यान में रखते हुए किया गया है। भोपाल में मंगलवार-बुधवार की रात इस सीजन की सबसे ठंडी रात रही। तापमान 6.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो पिछले 10 सालों में पांचवां सबसे कम तापमान है। मौसम विभाग ने कोल्ड वेव का अलर्ट भी जारी किया है। भोपाल में बढ़ती ठंड को देखते हुए जिला शिक्षा अधिकारी एनके अहिरवार ने सभी स्कूलों के समय में एक घंटे की बढ़ोतरी का आदेश दिया है। अब कोई भी स्कूल सुबह 9 बजे से पहले नहीं खुलेगा। यह आदेश सभी सरकारी और प्राइवेट स्कूलों पर लागू होगा, चाहे वो सीबीएसई, आईसीएसई या किसी भी अन्य बोर्ड से संबंधित हों। जिला कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह के आदेश के बाद गुरुवार से ही यह नियम लागू हो गया है।

**कड़ाई से नियमों के पालन के आदेश**

इंदौर में भी प्रभारी कलेक्टर और निगम कमिश्नर शिवम वर्मा ने स्कूलों का समय बदलने का फैसला लिया है। उन्होंने बताया कि पहली से आठवीं कक्षा तक के सभी स्कूल सुबह 9 बजे के बाद ही शुरू होंगे। यह आदेश सभी सरकारी, गैर-सरकारी और मान्यता प्राप्त स्कूलों के लिए है। दरअसल, ठंड के मौसम में बच्चों की इम्यूनिटी कमजोर हो जाती है, इसलिए इस दौरान उनकी सेहत का ख्याल रखना और भी जरूरी हो जाता है। इसलिए, संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे इस आदेश का कड़ाई से पालन करवाएं।

**शीतलहर के कारण एक डिजिट में तापमान**

ठंड का असर सिर्फ भोपाल और इंदौर में ही नहीं बल्कि एमपी के कई इलाकों जैसे ग्वालियर, उज्जैन और जबलपुर में भी देखा जा रहा है। भोपाल में तापमान 6.9 डिग्री सेल्सियस तो वहीं इंदौर में 8.6 डिग्री तक पहुंच गया है। एक डिजिट पर तापमान पहुंचने के कारण ये निर्णय बच्चों के लिए फायदेमंद साबित होगा।

**पचमढ़ी में 1.8 डिग्री तापमान**

मंगलवार-बुधवार की दरमियानी रात पचमढ़ी में 1.8 डिग्री तापमान दर्ज किया गया। एक रात पहले यह 3.5 डिग्री सेल्सियस था यानी एक ही रात में 1.7 डिग्री सेल्सियस की गिरावट हुई है। भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, उज्जैन और जबलपुर में भी तापमान नीचे आया है। यह भोपाल में 6.9 डिग्री, इंदौर में 8.6 डिग्री, ग्वालियर में 6 डिग्री, उज्जैन में 7.5 डिग्री और जबलपुर में 6.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। पचमढ़ी के अलावा रायसेन, गुना, उमरिया, मंडला और नौगांव में टेम्प्रेचर 6 डिग्री सेल्सियस के नीचे रहा। रायसेन में 4.8 डिग्री, गुना-उमरिया में 5 डिग्री, मंडला में 5.2 डिग्री और नौगांव में 5.3 डिग्री सेल्सियस तापमान रहा।

**इस साल सर्दी ने बदला ट्रेंड**

इस साल दिसंबर की सर्दी ने ट्रेंड बदल दिया है। पिछले 10 साल का रिकॉर्ड और ट्रेंड देखें तो दिसंबर के दूसरे पखवाड़े में कड़ाके की ठंड पड़ती रही है लेकिन इस बार पहले ही पखवाड़े में तेज सर्दी का असर है। भोपाल और इंदौर की रात तो पिछले 2 साल में सबसे ठंडी रही हैं यानी दिसंबर की ठंड का रिकॉर्ड टूट गया है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और लद्दाख में बर्फ गिरने से सर्दी बढ़ी है। यहां जेट स्ट्रीम हवाएं भी तेजी से बह रही हैं। जिसका असर मध्य प्रदेश में देखने को मिल रहा है।

# 16 को विधानसभा का घेराव, इंदौर शहर और जिला कांग्रेस तैयारी में जुटी

**सिटी चीफ इंदौर।**

इंदौर। इंदौर शहर कांग्रेस और जिला कांग्रेस के सभी मोर्चा संगठनों एवं प्रकोष्ठों की आज बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में प्रभारी एवं शहर कांग्रेस के कार्यवाहक अध्यक्ष देवेंद्र सिंह यादव ने बताया कि 16 दिसंबर को मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी के नेतृत्व में बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, भय, भूख, भ्रष्टाचार और आम जनता की अन्य समस्याओं को लेकर, साथ ही भाजपा की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ भोपाल में विधानसभा का घेराव किया जाएगा। यादव ने प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों से कहा कि वे ब्लॉक स्तर पर बैठकें आयोजित करें, अधिक से अधिक पदाधिकारियों से संपर्क करें और ज्यादा से ज्यादा कार्यकर्ताओं को भोपाल ले जाने की व्यवस्था सुनिश्चित करें। बैठक में देवेंद्र यादव ने कहा कि जो प्रकोष्ठ अध्यक्ष और पदाधिकारी निष्क्रिय पाए जाएंगे, उन्हें तत्काल हटाया जाएगा। इसकी रिपोर्ट संबंधित प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्षों को भेजी जाएगी। उनके स्थान पर नए युवाओं और सक्रिय कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पदाधिकारी बनाया जाएगा। सभी मोर्चा संगठनों और प्रकोष्ठों के अध्यक्षों को अपनी कार्यकारिणी की सूची शहर एवं जिला कांग्रेस कार्यालय में जल्द जमा करनी होगी। जिन मोर्चा संगठनों और प्रकोष्ठों ने अब तक अपनी कार्यकारिणी नहीं बनाई है, वे जल्द कमेटी की घोषणा करें। सभी मोर्चा संगठन और प्रकोष्ठ अध्यक्षों को कांग्रेस पार्टी को मजबूत करने के लिए मासिक बैठकें आयोजित करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ ही, उन्हें इंदौर शहर और जिला कांग्रेस द्वारा आयोजित आंदोलनों, बैठकों, तथा महापुरुषों की पुण्यतिथि और जयंती पर अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने को कहा गया। साथ ही, सभी पदाधिकारी स्थानीय स्तर पर अपने क्षेत्र की समस्याओं को लेकर आंदोलन करें। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सदाशिव यादव ने बैठक में कहा कि सभी मोर्चा संगठनों और प्रकोष्ठों के अध्यक्ष एवं अन्य पदाधिकारी 16 दिसंबर को अधिक से अधिक संख्या में विधानसभा घेराव में शामिल हों।

इसकी साधन एवं भोजन व्यवस्था इंदौर शहर और जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा की जाएगी। गाड़ियों की संख्या के लिए सभी से जानकारी इकट्ठा करने के निर्देश भी दिए गए। सदाशिव यादव ने यह भी बताया कि इंदौर जिला और शहर कांग्रेस कमेटी द्वारा गांधी भवन कांग्रेस कार्यालय का नवीनीकरण वरिष्ठ नेताओं के सहयोग से जल्द पूरा किया जाएगा।

# पटाखे जैसी आवाज निकालने वाले एक हजार साइलेंसरों को रोड रोलर से रौंदा

**सिटी चीफ इंदौर।**

इंदौर। इंदौर में बुधवार को ट्रैफिक पुलिस ने एक हजार से ज्यादा शोर मचाने वाले साइलेंसरों को नष्ट किया। इसके लिए अफसरों ने रोड रोलर की व्यवस्था की थी। साइलेंसर रौंदने के लिए देवी अहिल्या विश्व विद्यालय के खंडवा रोड परिसर की सर्विस रोड को चुना गया, ताकि कॉलेज व शैक्षणिक संस्थानों में आने वाले विद्यार्थियों तक यह संदेश पहुंचाया जा सके कि उन्हें अपनी बुलेट में पटाखे फोड़ने वाले और शोर करने वाले साइलेंसर नहीं लगाना है। नष्ट किए साइलेंसरों की कीमत दस लाख रुपये से ज्यादा है। आमतौर पर गोलियों की तरह आवाज करने वाले साइलेंसर वाहन चालक बुलेट में लगाते है। बीते एक माह से ट्रैफिक विभाग ने चौराहों पर बुलेटों के साइलेंसरों की जांच की थी। इसके बाद शोर मचाने वाले साइलेंसरों की बुलेट को जब्त कर थाने लाया गया और उसमें से साइलेंसर खुलवाए गए। बुलेट वाहन चालकों को सौंपते समय यह सहमति भी ली गई कि वे भविष्य में शोर करने वाले साइलेंसर बुलेट में नहीं लगाएंगे। एक माह में एक हजार से ज्यादा साइलेंसर एकत्र हो गए थे। उन्हे नष्ट करने के लिए रोड रोलर से रौंदने का तरीका अपनाया गया। दो माह पहले भी ट्रैफिक पुलिस ने विजय नगर क्षेत्र में इसी तरह साइलेंसरों को रोड रोलर से रौंदे गए थे। दो माह पहले संतोष सिंह पुलिस आयुक्त के रुप में इंदौर आए। उसके बाद इस तरह से बुलेट में से साइलेंसर निकालकर उन्हें नष्ट करने का अभियान पुलिस ने चला रखा है। इसके पहले ट्रैफिक पुलिस ने पूर्व इलाके में साइलेंसर नष्ट करने की कारवाई की थी। जिसमें विजयनगर में करीब साढ़े तीन सौ के लगभग साइलेंसर पर से रोड रोलर चलवाकर उसे नष्ट किया गया था। डीसीपी के मुताबिक आगे भी इस तरह की कारवाई जारी रहेगी।

# एयरपोर्ट पर 22 को कई सुविधाओं का लोकार्पण करेंगे उड्डयन मंत्री

**सिटी चीफ इंदौर।**

इंदौर। इंदौर एयरपोर्ट को नई सुविधाएं मिलने वाली हैं। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापू राममोहन नायडू इंदौर में कई सुविधाओं का लोकार्पण करेंगे। इसमें नया फायर स्टेशन और एयर ट्रैफिक कंट्रोल प्रमुख है। केंद्रीय मंत्री नायडू के इंदौर आगमन की संभावित तारीख 22 दिसंबर है। सांसद शंकर लालवानी ने नागरिक उड्डयन मंत्री से मुलाकात कर उन्हें इंदौर आने का न्योता दिया है। इसके साथ ही सांसद लालवानी ने इंदौर एयरपोर्ट को आगामी 25 साल को ध्यान में रखकर विकसित करने की योजना भी केंद्रीय मंत्री नायडू से साझा की। सांसद शंकर लालवानी ने बताया कि उन्होंने नागरिक उड्डयन मंत्री नायडू को लगातार विकसित होते इंदौर और आगामी सिंहस्थ को ध्यान में रखकर एयरपोर्ट के विकास के लिए एक प्लान भी साझा किया है।

इस पर मंत्री ने इंदौर में हवाई सुविधाएं बढ़ाने का भरोसा दिलाया। इससे पहले सांसद शंकर लालवानी ने केंद्रीय मंत्री से मुलाकात कर नए टर्मिनल भवन, टैक्सी वे बनाने और इंदौर एयरपोर्ट को अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट का दर्जा दिलाने की भी मांग की थी। सांसद ने बताया कि नागरिक उड्डयन मंत्री के इंदौर प्रवास के दौरान इन विषयों पर भी विस्तार से चर्चा होगी और इंदौर को नई सौगातें मिलने का रास्ता खुल सकता है।

# आईसीआईसीआई बैंक के रिलेशनशिप मैनेजर पर फर्जीवाड़े का केस

**सिटी चीफ इंदौर।**

इंदौर। विजय नगर पुलिस ने स्कीम नंबर 54 स्थित आईसीआईसीआई बैंक के रिलेशनशिप मैनेजर और उसके साथी के खिलाफ फर्जीवाड़ा करने के मामले में केस दर्ज किया है। बैंक कर्मचारी ने अकाउंट की जानकारी अपने साथी से शेयर की। उसने ऑनलाइन पासवर्ड बदलकर ओटीपी जनरेट कर अकाउंट से रुपए निकाल लिए। इस मामले में बैंक की तरफ से जांच होने पर कर्मचारी फंस गया। पुलिस अब मामले में जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार विजय नगर पुलिस ने आईसीआईसीआई बैंक के कलस्टर मैनेजर जयदीप पाटीदार की शिकायत पर बैंक के रिलेशनशिप मैनेजर कमल कुमावत और उसके साथी शिवम पर फर्जीवाड़े का केस दर्ज किया है। जयदीप ने बताया कि अकाउंट एनालिसिस में पता चला कि दो अकाउंट ऐसे हैं जिन्हें कमल ने कई बार चेक किया है। अकाउंट डिटेल में छेड़छाड़ कर पासवर्ड बदले गए हैं। एक अकाउंट से 5 लाख 64 हजार और दूसरे अकाउंट से 3 लाख 50 हजार निकाले गए। इस मामले में कमल से पूछताछ की तो उसने अकाउंट में छेड़छाड़ करने की बात कबूली। उसने बताया कि अकाउंट से जुड़ी निजी जानकारी दोस्त शिवम को दी थी। कमल को इसमें एक निश्चित कमीशन मिला। जयदीप के मुताबिक इस मामले में टीम को कुछ और अकाउंट में भी छेड़छाड़ होने की जानकारी मिली। जिसकी जांच बैक की सर्विलांस टीम कर रही है।

# विक्रयकर संस्था की जमीन पर प्लॉट काटकर बेच दिए, एफआईआर दर्ज

**सिटी चीफ इंदौर।**

इंदौर के द्वारकापुरी इलाके में विक्रयकर संस्था की जमीन पर कब्जा कर अवैध कॉलोनी काटने का मामला सामने आया है। इस जमीन पर पूर्व मालिक और उनके परिवार ने कब्जा करते हुए वहां प्लॉट काटे और लोगों को बेचकर मकानों का निर्माण शुरू करवा दिया। इस मामले में संस्था के सदस्यों और पदाधिकारियों ने कलेक्टर, नगर निगम कमिश्नर और मेयर को शिकायत की। शिकायत के बाद नगर निगम के अधिकारियों ने मामले की जांच की और आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई। नगर निगम के सहायक यंत्री सत्येंद्र सिंह राजपूत की शिकायत पर द्वारकापुरी पुलिस ने अनिल पुत्र रामराव बोराडे, उसके भाई प्रदीप बोराडे, जयश्री पति अशोक, सीमा पति विजय और गौरव उर्फ गोल्डी द्विवेदी के खिलाफ केस दर्ज किया है। सत्येंद्र सिंह ने बताया कि आरोपियों ने बिना किसी अनुमति के अवैध कॉलोनी का निर्माण किया। उन्होंने जमीन के प्लॉट काटकर बेचे और वहां मकान बनवाने की प्रक्रिया शुरू करवा दी। जब इस मामले की जानकारी निगम को लगी तो जांच करवाई गई, जिसमें अवैध गतिविधियों की पुष्टि हुई। इसके बाद निगम ने कानूनी कार्रवाई करते हुए एफआईआर दर्ज करवाई।

**इस तरह हुआ खेल**

यह जमीन विक्रयकर संस्था की है, जिसे रामा राव के बेटों से खरीदा गया था। जमीन की रजिस्ट्री संस्था के नाम पर हो चुकी थी लेकिन रामा राव की मौत के बाद उनके परिवार के लोगों ने इस जमीन को गौरव उर्फ गोल्डी को बेच दिया। इसके बाद नोटरी पर अन्य लोगों को प्लॉट बेचकर वहां मकान निर्माण का काम शुरू कर दिया गया।

**पहले भी की गई थी शिकायत**

इस मामले में पहले भी कई बार पुलिस में शिकायत की गई थी लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। अंततः संस्था और उसके सदस्यों ने कलेक्टर आशीष सिंह, नगर निगम कमिश्नर शिवम वर्मा और मेयर पुष्यमित्र भार्गव को शिकायत दर्ज करवाई। अधिकारियों के निर्देश पर मंगलवार रात आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई।

# इंदौर में सोना केडबरी 650 रुपए उछलकर 79600 रुपए प्रति दस ग्राम पर पहुंचा

**सिटी चीफ इंदौर।**

इंदौर। इंदौर में सोने की कीमतों में बढ़त का सिलसिला बुधवार को भी जारी रहा। सोना केडबरी 650 रुपए बढ़कर 79600 रुपए प्रति दस ग्राम पर पहुंच गया। वहीं, चांदी में कारोबार सीमित रहने से चांदी चौरसा के दाम 93400 रुपए प्रति किलो पर स्थिर रहे। कॉमेक्स पर सोना वायदा 2696 डॉलर तक जाने के बाद 2704 डॉलर और नीचे में 2674 डॉलर प्रति औंस और चांदी ऊपर में 32.08 डॉलर तक जाने के बाद 31.66 डॉलर और फिर नीचे में 31.44 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार करता देखी गई (बुधवार को कॉमेक्स पर सोना वायदा 21 डॉलर बढ़कर 2669 डॉलर प्रति औंस और चांदी वायदा 4 सेंट बढ़कर 32.08 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार करता देखा गया। इंदौर में सोना केडबरी रवा नकद में 79600 सोना (आरटीजीएस) 79700 सोना (91.60 कैरेट) (आरटीजीएस) 73000 रुपए प्रति दस ग्राम बोला गया। मंगलवार को सोना 78950 रुपए पर बंद हुआ था। चांदी चौरसा नकद 93400 चांदी चौरसा (आरटीजीएस) 93600 चांदी टंच 93500 रुपए प्रति किलो और चांदी सिक्का 1050 रुपए प्रति नग बिका। मंगलवार को चांदी चौरसा नकद 93400 रुपए पर बंद हुई थी।

# एक साल में 300 से अधिक आईएएस अफसरों के तबादले, कइयों के तीन से चार बार

**सिटी चीफ भोपाल।** भोपाल। मध्यप्रदेश में भाजपा सरकार ने दिसंबर में सत्ता संभालने के बाद से 300 आईएएस अधिकारियों के तबादले किए हैं। तबादलों का यह दौर लगातार जारी है। कुछ वरिष्ठ अधिकारियों के तो हाल ही के महीनों में तीन बार तक तबादले हो चुके हैं। सरकार के इस फैसले से कई अहम विभागों में अस्थिरता का माहौल है। 30 सितंबर को नए मुख्य सचिव की नियुक्ति में भी आखिरी समय तक असमंजस की स्थिति बनी रही। रविवार रात को 15 आईएएस अधिकारियों के तबादले के साथ यह मामला फिर उठा। 3 अक्टूबर को अनुराग जैन के मुख्य सचिव बनने के बाद यह दूसरी बड़ी तबादला सूची है। इससे संकेत मिलते हैं कि आगे और भी फेरबदल हो सकते हैं। भाजपा सरकार लगातार नौकरशाही में बदलाव कर रही है। एक साल से भी कम समय में इतनी बड़ी संख्या में तबादले चौंकाने वाले हैं। खासकर तब, जब मार्च से जून तक आम चुनाव के लिए आचार संहिता लागू होने के दौरान कोई तबादला नहीं हुआ। इसका मतलब है कि ज्यादातर तबादले दिसंबर से मध्य मार्च और मध्य जून से नवंबर के बीच हुए हैं।

**सचिवालय में हुए अधिक तबादले**

आचार संहिता हटने के बाद सरकार का ध्यान मुख्य रूप से सचिवालय में अधिकारियों के तबादले पर था। रविवार को हुए तबादलों में भी सचिवालय और राज्य की राजधानी में बदलाव किए गए हैं। अब जिला कलेक्टरों के तबादलों की तैयारी है। शीर्ष अधिकारियों का कहना है कि जिला कलेक्टरों की तबादला सूची जल्द ही जारी की जाएगी। यह सूची पहले 15 अगस्त तक आने की उम्मीद थी, लेकिन इसमें देरी हो गई।

**चार महीने में 13 जिलों के कलेक्टर बदले**

पिछले चार महीनों में सरकार ने 13 जिला कलेक्टरों को बदल दिया है। 22 जून को सिवनी में एक जिला कलेक्टर का तबादला किया गया। 23 जुलाई को कटनी और मंदसौर के कलेक्टर बदले गए। 4 अगस्त को सागर और छतरपुर के कलेक्टर बदले गए। 10 अगस्त को 26 आईएएस अधिकारियों की तबादला सूची में शहडोल, मंडला, राजगढ़, विदिशा, बालाघाट, डिंडोरी, अनूपपुर और नीमच के जिला कलेक्टरों को बदल दिया गया।

**धीरे-धीरे आएगी स्थिरता**

शिवराज सिंह चौहान के 16.5 साल के शासन के बाद सत्ता में आने के बाद यादव सरकार ने बदलावों की शुरुआत की। शीर्ष अधिकारियों का मानना है कि धीरे-धीरे सरकार में स्थिरता आएगी। लोक निर्माण विभाग में पिछले 10 महीनों में चार अधिकारी बदल चुके हैं। जब सरकार बनी थी, तब सुखवीर सिंह पीडब्ल्यूडी के प्रमुख सचिव थे। डीपी आहूजा को पीडब्ल्यूडी का पीएस बनाया गया और सिंह का तबादला कर दिया गया। अपर मुख्य सचिव केसी गुप्ता विभाग का नेतृत्व कर रहे थे, लेकिन रविवार के फेरबदल में पीडब्ल्यूडी विभाग का अतिरिक्त प्रभार एसीएस नीरज मंडलोई को दिया गया, जबकि केसी गुप्ता का तबादला राज्यपाल भवन में कर दिया गया।

**खनन विभाग में भी बदले चार पीएस**

खनन विभाग में चार प्रमुख सचिव बदले गए। जब सरकार बनी थी, तब राघवेंद्र कुमार सिंह इस विभाग में तैनात थे। बाद में, निकुंज कुमार श्रीवास्तव और संजय कुमार शुक्ला को इस विभाग में तैनात किया गया। उमाकांत उमरव वर्तमान में विभाग के पीएस हैं।

**राजभवन में भी चार बार बदलाव**

राजभवन में चार प्रमुख सचिव बदले गए। एक साल पहले, डीपी आहूजा राजभवन में पीएस थे। बाद में, संजय कुमार शुक्ला और मुकेश चंद गुप्ता को वहां तैनात किया गया। अब, एसीएस केसी गुप्ता को राजभवन में तैनात किया गया है।

**गृह विभाग में भी तबादले**

गृह विभाग में नई सरकार में तीन अधिकारी देखे गए। एसीएस राजेश कुमार रजौरा के बाद, संजय दुबे को विभाग में तैनात किया गया था, और अब, एसीएस एसएन मिश्रा गृह विभाग में हैं।

**इन अधिकारियों के बार-बार हो रहे तबादले**

अपर मुख्य सचिव विनोद कुमार को सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) में तैनात किया गया था जब सरकार बनी थी। कुमार का तबादला प्रशासन अकादमी के महानिदेशक के रूप में किया गया था। उन्हें तब कुटीर और ग्राम उद्योग का प्रभार दिया गया था। वे अब मप्र जनजातीय अनुसंधान संस्थान के निदेशक हैं। जब सरकार बनी थी, तब प्रमुख सचिव संजय कुमार शुक्ला को जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग में तैनात किया गया था। शुक्ला को राजभवन भेजा गया था। उन्हें तब महिला और बाल कल्याण विभाग में भेजा गया, जहां से उन्हें मुख्यमंत्री सचिवालय में तैनात किया गया। पिछले महीने के फेरबदल में, उन्हें पीएस, शहरी विकास और आवास विभाग के रूप में नियुक्त किया गया था। इसी तरह, प्रमुख सचिव मनीष रस्तोगी का तबादला जेल विभाग में कर दिया गया। वहां से, उन्हें सामान्य प्रशासन विभाग में भेजा गया और अब वह वित्त विभाग में हैं। वह पिछली भाजपा सरकार में सीएम के पीएस थे। विधानसभा चुनाव के दौरान, संजय गोयल उज्जैन के संभागीय आयुक्त थे, जहां से उन्हें सचिव तकनीकी शिक्षा के रूप में स्थानांतरित किया गया था। फिर उन्हें स्कूल शिक्षा विभाग के सचिव के रूप में स्थानांतरित किया गया, जहां वे जारी कर रहे हैं। सुदाम खाडे स्वास्थ्य आयुक्त थे। उन्हें ग्वालियर का संभागीय आयुक्त नियुक्त किया गया। खाडे को अब जनसंपर्क आयुक्त के रूप में तैनात किया गया है। स्वतंत्र कुमार सिंह, जो ओबीसी के सचिव थे, को वाणिज्यिक कर आयुक्त के रूप में तैनात किया गया था। उन्हें श्रम विभाग के आयुक्त का अतिरिक्त प्रभार दिया गया था। बाद में उन्हें भोपाल गैस त्रासदी विभाग में भेजा गया था।

# एक साल पूरा होने पर मोहन सरकार दे रही नौकरियों की सौगात

## ढाई लाख युवाओं को सरकारी नौकरी देने का फॉर्मूला

**सिटी चीफ भोपाल।** भोपाल। मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव ने अपने 5 वर्ष के कार्यकाल में प्रदेश में ढाई लाख युवाओं को सरकारी नौकरी देने का फॉर्मूला बनाया है। इस बीच 13 दिसंबर को उनकी शपथ के एक वर्ष पूरे हो रहे हैं। इसे लेकर 26 जनवरी तक मध्यप्रदेश में जन कल्याण पर्व भी मनाया जा रहा है। इस उपलक्ष्य में प्रदेश में एक लाख सरकारी भर्तियों की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। सोमवार को ही मोहन यादव ने कहा था कि मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग (एमपीपीएससी) और कर्मचारी चयन मंडल (ईएसबी) को मांग भेज दी गई है। इसके बाद मंगलवार को कई विभागों में भर्ती के लिए आवेदन मंगाने का काम भी शुरू हो गया है। एक साल के भीतर अलग-अलग विभागों में एक लाख सरकारी पदों पर भर्ती की जाएगी।

**सबसे पहले ऊर्जा विभाग ने दिया विज्ञापन**

ऊर्जा विभाग ने सबसे पहले 2 हजार 573 पदों के लिए भर्ती विज्ञापन जारी किया है। इसके लिए आवेदन 24 दिसंबर से 23 जनवरी 2025 तक एमपी ऑनलाइन द्वारा मंगाए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री कार्यालय से जुड़े एक अधिकारी के मुताबिक अब तक अलग-अलग विभागों में 81 हजार 75 पदों को चिह्नित किया जा चुका है। अन्य विभाग भी रिक्त पदों की जानकारी जल्द ही सरकार को भेजने वाले हैं। उनके अनुसार फिलहाल इस वर्ष एक लाख पदों पर भर्ती शुरू कर ली जाएगी।

**सीएम मोहन ने की थी घोषणा**

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पिछले दिनों घोषणा की थी कि दिसंबर 2024 तक एक लाख सरकारी पदों पर भर्ती शुरू कर ली जाएगी। इसके अलावा अन्य विभाग भी जल्द ही अपने विभाग में खाली पदों को भरने की डिमांड सरकार को भेजने वाले हैं। ऊर्जा विभाग ने एमपी ऑनलाइन के जरिए तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के 2573 रिक्त पदों के लिए मंगलवार को विज्ञापन भी जारी कर दिया है। इन पदों के लिए आवेदन 24 दिसंबर 2024 से शुरू होकर 23 जनवरी 2025 तक किए जा सकते हैं।

**55 हजार से ज्यादा पदों पर प्रक्रिया तेज**

राज्य सरकार ने 55,410 खाली पदों की पहचान की है। इनमें से 18,388 पदों पर भर्ती के प्रस्ताव एमपीपीएससी और कर्मचारी चयन मंडल को भेज दिए गए हैं। इसके अतिरिक्त, 3675 पदों पर भर्ती प्रक्रिया पहले से चल रही है।

**मुख्यमंत्री कर रहे भर्ती प्रक्रिया की निगरानी**

मुख्यमंत्री स्वयं इस प्रक्रिया की निगरानी कर रहे हैं। सामान्य प्रशासन विभाग को आदेश दिए गए हैं कि वे सभी विभागों से रिपोर्ट मांगें और भर्ती से संबंधित डेटा पोर्टल पर अपलोड करें।

# प्रतिबंध के बाद भी तबादले और अटैचमेंट पर सरकार सख्त

**सिटी चीफ भोपाल।** भोपाल। मध्यप्रदेश में तबादले पर प्रतिबंध के चलते सीएम समन्वय के माध्यम से तबादला आदेश जारी हो रहे हैं। इस बीच सरकार के पास यह जानकारी आई है कि कई विभागों में तबादले और अटैचमेंट किए जा रहे हैं। इसे देखते हुए सरकार ने सख्ती दिखाई है। जनजातीय कार्य विभाग ने प्रदेश के अलग-अलग जिलों में अटैचमेंट के नाम पर कर्मचारियों, अधिकारियों और शिक्षकों की पदस्थापना बदले जाने के मामले में सीनियर अफसरों से प्रमाण पत्र मांगा है। जनजातीय कार्य विभाग द्वारा संभागीय उपायुक्त, सहायक आयुक्त और जिला संयोजक जनजातीय कार्य और अनुसचित जाति विकास विभाग को इस संबंध में निर्देश जारी किए हैं। इसमें कहा गया है कि सामान्य प्रशासन विभाग के स्पष्ट निर्देश हैं कि संभाग और जिला स्तर पर अधिकारी और कर्मचारी तथा शिक्षक संवर्ग के तबादले न किए जाएं।

इस तरह के मामले में शासन के अनुमोदन के बाद ही कार्यवाही की जा सकती है। विभाग के संज्ञान में यह बात आई है कि संभागीय उपायुक्त, सहायक आयुक्त और जिला संयोजक जनजातीय कार्य और अनुसचित जाति विकास द्वारा अपने स्तर पर अटैचमेंट और तबादले किए जा रहे हैं। यह प्रक्रिया गलत है।

**ऐसे केस मिले तो अफसरों पर कार्यवाही**

सभी संभाग और जिला स्तर पर किए गए इस तरह के संबंधित तबादले और अटैचमेंट को निरस्त कर इस बात का प्रमाण पत्र जारी करें कि उनके कार्यक्षेत्र में शासन की अनुमति के बगैर कोई तबादला या अटैचमेंट नहीं किया गया है। यह प्रमाण पत्र 16 दिसम्बर तक भेजने के लिए कहा गया है। विभाग ने फील्ड अधिकारियों को चेतावनी दी है कि 16 दिसम्बर के बाद इस तरह के कोई मामले सामने आए तो संबंधित अधिकारी के विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी। जिस फार्मेट में फील्ड में पदस्थ जिला अधिकारियों से प्रमाण पत्र मांगा गया है उसमें प्रमाण पत्र जारी करने की तारीख का उल्लेख विशेष रूप से करने को कहा गया है।

# मध्यप्रदेश के सभी जिला और कैंसर अस्पतालों लगाई जाएंगी अत्याधुनिक मशीनें

**सिटी चीफ भोपाल।** भोपाल। मध्यप्रदेश के सभी जिला अस्पतालों और कैंसर अस्पतालों में अत्याधुनिक मशीनें लगाई जाएंगी। इन मशीनों में मुख्य रूप से एमआरआई, कैथलैब, पेट-स्कैन, लाईनैक, और ब्रेकी-थेरेपी मशीनें लगाई जाएगी। मशीनों की खरीदी प्रक्रिया शुरू हो गई है। इसे लेकर डिप्टी सीएम राजेन्द्र शुक्ल ने अधिकारियों की मंत्रालय में बैठक ली। इस दौरान शुक्ल ने कहा है कि प्रदेश के हर क्षेत्र में उन्नत स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए अधोसंरचना के विस्तार और अत्याधुनिक उपकरणों की खरीदी के प्रयास तेजी से किया जाए। शुक्ल ने मंत्रालय में प्रदेश के विभिन्न जिला चिकित्सालयों और कैंसर अस्पतालों में अत्याधुनिक चिकित्सा उपकरणों की उपलब्धता के लिए की जा रही खरीदी प्रक्रिया की समीक्षा की। उन्होने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि ये सेवाएं समय पर आम नागरिकों तक पहुंचे। शुक्ल ने निर्देश दिये कि अधोसंरचना विकास के साथ-साथ आवश्यक उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को प्रक्रिया की सतत मॉनीटरिंग कर समयसीमा के भीतर उपकरण खरीदी का कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने सीटी स्कैन, एमआरआई, कैथलैब, पेट-स्कैन, लाईनैक, और ब्रेकी-थेरेपी जैसे उन्नत उपकरणों की खरीदी प्रक्रिया की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने प्रदेश के सरकारी अस्पताल में दवाइयों की उपलब्धता की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों के निर्देशित किया कि सभी अस्पतालों आवश्यकतानुसार दवाएं उपलब्ध कराएं। को और अधिक दुरुस्त करने के निर्देश दिये ताकि ट्रांसफर प्रक्रिया में किसी प्रकार की असुविधा न हो। प्रमुख सचिव स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा संदीप यादव, आयुक्त स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा तरुण राठी, एमडी एमपीपीएचएससीएल मयंक अग्रवाल सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

# झुग्गियां हटाने का मामला गरमाया, पूर्व मंत्री बोले-सड़क से सदन तक लड़ेंगे लड़ाई

**सिटी चीफ भोपाल।** भोपाल। राजधानी भोपाल में बढ़ रही झुग्गियों को तोड़ने की कवायद शुरू हो गई है। लेकिन कांग्रेस इन झुग्गियों को तोड़ने का विरोध कर रही है। दरअसल भोपाल में 1800 एकड़ में फैली कुल 388 झुग्गी हटाने के प्रयास फिर से शुरू हुए हैं। सबसे पहले वल्लभ भवन के आसपास की झुग्गी हटेगी, इसके लिए सर्वे पूरा हो गया है। बुधवार को पूर्व मंत्री पीसी शर्मा ने कहा कि सड़क से लेकर सदन गरीबों के हक की लड़ाई लड़ी जाएगी, सरकार पहले लोगों को पक्के मकान बनाकर दें। पीसीसी शर्मा ने इस दौरान कहा कि झुग्गी मुक्त के नाम पर आवास मुक्त करने का हम विरोध करते हैं। पूर्व मंत्री शर्मा वल्लभ नगर में बस्ती के सामने लोगों से मिलने पहुंचे थे। इससे पहेल पीसी शर्मा झुग्गियों को हटाने के विरोध में पांच नंबर मार्केट में भी धरना दे चुके हैं। इस दौरन निगम में नेता प्रतिपक्ष शबिस्ता जकी, पार्षद योगेंद्र सिंह चौहान, शोएब खान, कांग्रेस झुग्गी झोपड़ी प्रकोष्ठ के अध्यक्ष निकेश सिंह चौहान, पूर्व पार्षद दिलीप राय, वार्ड अध्यक्ष राम सुशील सेन, नईम बैग, मिलिंद खंडेले, रईस खान, बाबर खान आदि भी मौजूद थे। जानकारी के लिए बतादें कि राजधानी भोपाल के रोशनपुरा बस्ती, बाणगंगा, भीम नगर, विश्वकर्मा नगर जैसी 8 झुग्गी-बस्तियां शहर के बीच प्राइम लोकेशन पर करीब 300 एकड़ में फैली हैं। इनके अलावा राहुल नगर, दुर्गा नगर, बाबा नगर, अर्जुन नगर, पंचशील, नया बसेरा, संजय नगर, गंगा नगर, बापू नगर, शबरी नगर, ओम नगर, दामखेड़ा, उड़िया बस्ती, नई बस्ती, मीरा नगर जैसी कुल 388 बस्तियां शहर में हैं। इन सबकी जमीन का हिसाब लगाए तो यह करीब 1800 एकड़ के आसपास हैं। इनमें से ज्यादातर पॉश इलाकों में ही हैं। दरअसल भोपाल को झुग्गी मुक्त करने के लिए करीब तीन महीने पहले सीएम डॉ. मोहन यादव ने मीटिंग की थी। उन्होंने झुग्गियों को हटाने के लिए विस्तृत प्लान बनाने को कहा था। उन्होंने कहा था कि पहले भवन तैयार करें। फिर झुग्गियों को खाली कराए, ताकि लोगों को परेशानी न हो।

# तेज रफ्तार ऑटो ने स्कूटी सवार को मारी टक्कर, भाई की मौत, बहन घायल

**सिटी चीफ भोपाल।** भोपाल। राजधानी भोपाल के छोला मंदिर इलाके में तेज रफ्तार ऑटो ने स्कूटी पर जा रहे भाई-बहन को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में भाई की मौत हो गई, जबकि उसकी बहन गंभीर रूप से घायल हो गई। इधर, शाहपुरा इलाके में फांसी लगाने वाले युवक ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। पुलिस ने दोनों ही मामलों में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। छोला मंदिर पुलिस ने बताया कि 16 वर्षीय निखिल कुशवाहा पुत्र धनीराम सेमरा बजरिया इलाके में रहता था। वह दसवीं कक्षा का छात्र था। जबकि उसकी 24 वर्षीय बहन रूकमणि डी मार्ट में काम करती है। मंगलवार की सुबह बहन अपनी स्कूटी से भाई निखिल को स्कूल छोड़ने के लिए जा रही थी।

तभी रास्ते में कल्याण नगर के पास उसकी स्कूटी को तेज रफ्तार ऑटो ने टक्कर मार दी और फरार हो गया। हादसे की खबर लगते ही मौके पर पहुंची। पुलिस ने घायल बहन-भाई को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। जहां पर भाई की मौत हो गई, जबकि उसकी बहन की हालत अब भी गंभीर बनी हुई है। इधर, शाहपुरा इलाके में इलाज के दौरान युवक की मौत हो गई। शाहपुरा थाने के एसआई महेन्द्र चौकसे ने बताया कि संजीव कुमार पुत्र रमेश (38) नगर निगम में सफाई कर्मचारी था।

उसका अपनी पत्नी से विवाद चलता था। गत 24 नवंबर को सुबह नशे की हालत में उसने पत्नी से झगड़ा किया था। विवाद बढ़ने पर वह अपने कमरे में गया तथा फांसी लगा ली। परिजनों ने गंभीर अवस्था में उन्हें इलाज के लिए एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया था। जहां कल देर रात उनकी मौत हो गई। अस्पताल की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृतक का शव बरामद कर उसे पोस्टमॉर्टम के लिए हमीदिया अस्पताल भेज दिया। पुलिस का कहना है कि मृत्यु पूर्व उनके बयान दर्ज नहीं हो सके हैं। अब पुलिस परिजनों से पूछताछ कर उनके बयान दर्ज करेगी, जिससे पूरे मामले का खुलासा हो सके।

# पत्नी से झगड़े के बाद पति ने तोड़ दी मंदिर स्थापित मां दुर्गा की प्रतिमा

**सिटी चीफ भोपाल।** भोपाल। राजधानी भोपाल में एक बहुत ही अजीबोगरीब मामला सामने आया है। यहां पति-पत्नी के झगड़े में मंदिर में स्थापित माता की प्रतिमा को पति ने तोड़ दिया है। इसके बाद इस पर सियासत शुरू हो गई। यहां के क्षेत्रीय कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद मौके पर पहुंचे और माता की प्रतिमा दोबारा से स्थापित करने की बात कही है।दरअसल भोपाल के हबीबगंज थाना क्षेत्र में मंगलवार को माता के मंदिर में पति-पत्नी के झगड़े के दौरान पति ने मातारानी की प्रतिमा को तोड़ दिया था। आरोपी की मां मंदिर के देखरेख का काम करती थी। पति ने शराब पीने नशे के लिए पत्नी से पैसे मांगे थे। झगड़ा भी शराब के नशे में हुआ। शराब के नशे में जमकर लड़ाई के बाद बड़े से पत्थर से प्रतिमा तोड़ दी। मामले में आरोपी विजय बाथम को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद मौके पर पहुंचे और स्थानीय लोगों से चर्चा की। इस दौरान उन्होंने कहा कि जयपुर से मूर्ति मंगवाकर वे फिर से यहां प्राण प्रतिष्ठा करवाएंगे। मसूद ने कहा कि इस तरह की घटना होना बेहद अफसोसजनक है, ये पारिवारिक विवाद था। विवाद में इस मूर्ति को तोड़ा गया। पुलिस इस पूरे मामले में ढील बरत रही है, सामान्य धाराओं में अपराध दर्ज किया गया है। जबकि स्थानीय लोग खुद थाने जाकर गवाही दे रहे हैं कि युवक के द्वारा इस घटना को अंजाम दिया गया है। उन्होंने कहा कि मै पुलिस प्रशासन से बात करूंगा और सख्त से सख्त कार्रवाई करने की मांग करूंगा। राजधानी भोपाल के वार्ड 45 हबीबगंज थाना क्षेत्र स्थित देवी दुर्गा मंदिर का है। जहां पति पत्नी के झगड़े के बाद पति ने प्रतिमा तोड़ दी। आरोपी की मां मंदिर के देखरेख का काम करती थी। पति ने शराब पीने नशे के लिए पत्नी से पैसे मांगे थे। झगड़ा भी शराब के नशे में हुआ। शराब के नशे में जमकर लड़ाई के बाद बड़े से पत्थर से प्रतिमा तोड़ दी। आरोपी विजय बॉथम आदतन अपराधी है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि पुलिस ने मामूली धाराओं में मामला दर्ज किया है।

## सम्पादकीय

# यह शहीद गाथाओं का माह फिर अंधेरे क्यों मनाते हो जश्न?

पिछले अनेक वर्षों की तरह इस वर्ष भी दिसंबर का अर्थ अपने देश में, सरकारों में, समाज में और भारत से इंडिया बनते जा रहे समृद्ध वर्ग में केवल इतना ही है कि नववर्ष के स्वागत की तैयारियां करो। नववर्ष भी वह जो भारतीय संस्कृति के अनुसार सूर्य की पहली किरण के साथ नहीं, अपितु आधी रात के अंधेरों में मनाया जा रहा है। श्री जयशंकर प्रसाद के अनुसार अंधकार में दौड़ लग रही, मतवाला यह सब समाज है। अब दौड़ भी अंधकार में लगती है और एक बहुत बड़ा वर्ग शराब के नशे में मतवाला भी हो जाता है। मेरा प्रश्न देश से, सरकार से, समाज से यह है कि क्या दिसंबर का एक ही महत्व है कि पिछले वर्ष से नए वर्ष में जाने की तैयारी। यह वर्ष तो वैसे भी ब्रिटिश दासता का एक ऐसा नासूर है जिसे हम मिटाते नहीं, बल्कि पाल-पोस कर बढ़ा रहे हैं। सच्चाई यह है कि दिसंबर में हमारे पास मनाने को बहुत कुछ है। याद करने को भी बहुत कुछ है। वास्तविकता तो यह है कि दिसंबर मास में भारत के इतने बेटे-बेटियां शहीद हुए, अगर उनको ही याद करते रहें तो हर दिन अनेक शहीदों का बलिदान दिन या विशेष उल्लेखनीय कर्म का दिन है, पर याद कौन करेगा? दिसंबर के इसी सप्ताह में हम श्री गोबिंद सिंह जी के बलिदानी बच्चों को याद कर रहे हैं, प्रणाम कर रहे हैं। पूरी दुनिया में ऐसा कोई उदाहरण नहीं जहां सात और नौ वर्ष के बच्चे अपने देश और धर्म की रक्षा के लिए दीवारों में चिनवा दिए गए हों। जिन्होंने ललकार कर कह दिया हो कि वे कभी मुसलमान नहीं बनेंगे और सतश्री अकाल कहते हुए बलि पथ पर बढ़ गए। इन दिनों याद हम शहीद बलिदानी मोतीलाल मेहरा को भी करेंगे जो गुरु जी के बलिदानी परिवार को दूध पिलाने के कारण मुसलमानों की दृष्टि में अपराधी हुआ और सपरिवार कोल्हू में पीस दिया गया। ऐसे महापुरुषों को, बलिदानियों को याद करके ही हम स्वतंत्र रह सकते हैं। देश, धर्म और स्वतंत्रता की रक्षा कर सकते हैं। इसे हम दुर्भाग्य कहें या विडंबना कि आजादी के बाद उनको पूरी तरह भुला दिया जिन्होंने स्वतंत्रता हित में असंख्य यातनाएं सहते हुए आजादी दी। क्या देश यह याद न करता कि अंग्रेजों के विरुद्ध संघर्ष करते हुए मेघालय के एक गांव में पैदा हुआ नौजवान थोग्गन नेग मइया संगमा बड़ी वीरता से, नेतृत्व कुशलता से अपने आसपास के ग्रामीण युवकों को एकत्रित कर अंग्रेजों के लिए बहुत बड़ी चुनौती बन गया। वर्षों तक उसने अंग्रेजों को चने चबवाए। उसे काबू करने के लिए अंग्रेज सेना ने एक साथ तीन ओर से हमला किया। वर्तमान बंग्लादेश में स्थित जिला मैमन सिंह, दूसरा ग्वाल पाड़ा और तीसरा दावा बर्मा की ओर से बोला गया, पर यह वीर अजेय रहा। आखिर अंग्रेजों की चाल में फंसा। जब वार्ता के लिए अंग्रेजों ने इसे अपनी छावनी में बुलाया तो 12 दिसंबर 1872 को इसे गोलियों से भून दिया। संगमा की खासियत यह रही कि इसकी शहादत के बाद भी गारो पहाड़ियों में पैदा हुए उसके वीर अंग्रेजों को नाकों चने चबवाते रहे, पर याद किसको है। निश्चित ही मेघालय में इसके नाम के दीपक घर-घर जलते होंगे, अन्यथा दिसंबर तो बस होटलों में पार्टियों की तैयारियों का ही महीना बन जाता है।

# विश्व में सेमीकंडक्टर युद्धः अमेरिका, जापान का चीन पर कड़ा रुख़ और भारत की संभावनाएं

सेमीकंडक्टर आधुनिक तकनीक का दिल है। स्मार्टफोन, कंप्यूटर, इलेक्ट्रिक वाहन, 5G नेटवर्क और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी तकनीकों के लिए यह अपरिहार्य है। इसलिए, सेमीकंडक्टर तकनीक पर प्रभुत्व रखना किसी भी राष्ट्र के लिए तकनीकी और आर्थिक शक्ति का प्रतीक है।

अमेरिका ने सेमीकंडक्टर उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए 52 बिलियन का निवेश किया है। चीन दुनिया का सबसे बड़ा सेमीकंडक्टर आयातक है, लेकिन एडवांस चिप्स और तकनीक में वह अभी आत्मनिर्भर नहीं है, पर वह मेड इन चाइना 2025 योजना के तहत सेमीकंडक्टर उत्पादन में आत्मनिर्भर होने के लक्ष्य पर ज़ोरों से काम कर रहा है।

चीन के खिलाफ अमेरिका और जापान एक जुट होकर रणनीति बनाकर काम कर रहे हैं। अमेरिका ने सख्त नीति अपनाते हुए अपने चिप्स एंड साइंस एक्ट 2022 के तहत चीन को एडवांस चिप्स और मैन्युफैक्चरिंग उपकरणों की आपूर्ति पर प्रतिबंध लगाया है, जिससे चीन की प्रौद्योगिकीय क्षमता सीमित हो रही है।इसके अलावा अमेरिका ने जापान, नीदरलैंड और ताइवान जैसे देशों के साथ तकनीकी साझेदारी भी मजबूत की है।इधर जापान, जो कभी सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग में अग्रणी था, अब अमेरिका के साथ सहयोग कर चीन को उच्च-स्तरीय चिप्स की आपूर्ति रोकने में मदद कर रहा है।जापान की कंपनियां, जैसे टोक्यो इलेक्ट्रॉन, चीन को चिप निर्माण उपकरणों की आपूर्ति सीमित कर रही हैं।

चीन जो अभी तक दुनिया का सबसे बड़ा सेमीकंडक्टर आयातक है, और आत्मनिर्भर होने की योजना पर जुटा हुआ था उसकी योजना को अमेरिकी और जापानी प्रतिबंधों ने धीमा कर दिया है।चीन अब ताइवान पर दबाव बना रहा है, क्योंकि ताइवान की TSMC दुनिया की सबसे बड़ी सेमीकंडक्टर निर्माता है।

भारत इस सेमीकंडक्टर युद्ध में एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी बन सकता है।मोदी सरकार ने विशेष पहल करते हुए सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग और डिज़ाइन को बढ़ावा देने के लिए ?76,000 करोड़ का सेमीकंडक्टर मिशन लॉन्च किया है।साथ ही इसमें प्रमुख वैश्विक कंपनियों को भारत में निवेश के लिए आकर्षित किया जा रहा है। इसके तहत ताइवान और अमेरिका जैसे सेमीकंडक्टर दिग्गजों के साथ साझेदारी की संभावना है।साथ ही भारत के पास आईटी और इंजीनियरिंग में प्रशिक्षित मानव संसाधन है, जो डिज़ाइन और रिसर्च में मददगार हो सकता है।सेमीकंडक्टर डिज़ाइन कंपनियों जैसे इंटेल, AMD और Qualcomm के लिए भारत पहले से ही एक हब है। ग़ौरतलब है कि भारत का भौगोलिक स्थान चीन और पश्चिमी देशों के बीच इसे एक रणनीतिक केंद्र बनाता है।

हालाँकि अभी कई चुनौतियाँ भी भारत के सामने हैं जिनमें मैन्युफैक्चरिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर अभी विकसित होना बाकी है। साथ ही ऊर्जा और पानी की उच्च मांग जैसी तकनीकी जरूरतों को पूरा करना चुनौतीपूर्ण हो सकता है।

अमेरिका और जापान द्वारा चीन पर लगाए गए प्रतिबंधों ने सेमीकंडक्टर उद्योग में भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा को तेज कर दिया है। इस बीच, भारत के पास इस क्षेत्र में उभरने का सुनहरा अवसर है। यदि भारत बुनियादी ढांचे में निवेश बढ़ाता है और वैश्विक साझेदारियों का लाभ उठाता है, तो यह सेमीकंडक्टर उत्पादन और डिज़ाइन में एक प्रमुख शक्ति बन सकता है।

( राजीव खरे चीफ ब्यूरो छत्तीसगढ़)

# आखिर कहां जा रहा है पड़ोसी मुल्क बांग्लादेश?

नस्लीय बर्बरता और हिंसा की वजह से सुर्खियों का हिस्सा बने बांग्लादेश में भारतीय विदेश सचिव के दौरे के बाद आशंकाओं के बादल अब और भी साफ हो चले हैं। कहना गलत नहीं होगा कि वो जो कातिल है वही निजाम वही मुंसिफ है वो क्या खाक हिन्दू अल्पसंख्यकों के हक में फैसला लेगा। बांग्लादेश की राजधानी ढाका में वार्षिक द्विपक्षीय वार्ता में हिस्सा लेने पहुंचे भारतीय विदेश सचिव विक्रम मिसरी की यात्रा के परिणामो के लेकर जिस तरीके के कयास लगाए जा रहे थे ठीक वैसा ही फलाफल निकल कर सामने आया है। दरअसल, बांग्लादेश में हो रहे अल्पसंख्य हिन्दू उत्पीड़न पर भारतीय विदेश सचिव की बेलाग और वाजिब बयान पर अंतरिम सरकार के निजाम यूनुस और उनके प्रशासन ने इसे बांग्लादेश का आंतरिक मामला भर कहकर अपनी मंशा और योजना दोनों जाहिर कर दी है। इसी बीच मजहबी कट्टरपंथी बांग्लादेशी नेताओं के बड़बोलेपन पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी तल्ख पलटवार किया है। बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना ने मोहम्मद यूनुस और उनके शासन को फासीवादी करार देते हुए बांग्लादेशी कानून के मुताबिक निजाम और उनके सरपरस्तों का हिसाब करने की कसम उठाई है।

सत्ता के संरक्षण में सम्पूर्ण बांग्लादेश में हिन्दू नरसंहार की वीभत्स योजना पर काम कर रहे कार्यवाह प्रधानमंत्री यूनुस के नोबल पुरस्कार के खिलाफ भी नागरिक समूहों ने नोबेल कमेटी के सामने आपत्ति खड़ी की है। इन सभी घटनाक्रमों के बीच बांग्लादेश खबरों की सुर्खियों का हिस्सा है। इन चर्चाओं में सबसे बड़ी चर्चा फिलहाल वहां के अल्पसंख्यक हिंदू विरोधी चरित्र को लेकर है। ऐसा भी नही है कि यहां ये सब कोई पहली बार हो रहा है।

दरअसल, अतीत में भी यहां के हिंदू समुदाय को यह सब झेलना पड़ा है, लेकिन पांच अगस्त 2024 के बाद से हालात कहीं बुरे हैं। इस दिन यहां एक अप्रत्याशित मगर सुनियोजित घटना उपरांत निर्वाचित सरकार को अपदस्थ कर दिया गया था तब से बांग्लादेश की बागडोर उन हाथों में है जिनका विश्वास लोकतंत्र एवं मानवाधिकार में कतई नहीं है और जिसका प्रमाण सत्ता प्रायोजित अनवरत् जारी हिंसा और दमन है।

बात तत्कालीन घटना की करें तो यह एक हिंदू साधु चिन्मय कृष्ण दास के गिरफ्तारी से संबंधित है। पहले इन्हें राष्ट्रद्रोह के आरोप मे फिर इनके सहयोगियों को हिरासत में लिया गया है। यहां तक कि जेल में इन साधुओं को बाहर से भोजन उपलब्ध कराने के नाते भी गिरफ्तारियां हुई है, क्योंकि अपने भोजन संबंधित नियमों के नाते ये कुछ भी और कही का भी खाना नहीं खा सकते हैं। इस नाते कई दिन बिना भोजन के भी इन लोगों ने गुजारा है।

बात इनके आंदोलन की करें तो धार्मिक उत्पीड़न और हिंसा का शिकार हिंदू समुदाय अपने एक आठ सूत्री मांग के साथ देशव्यापी प्रदर्शन कर रहा था। इस दौरान पूरे बांग्लादेश में शांतिपूर्ण सभाओं का दौर जारी था। इसी का चेहरा गौड़ीय वैष्णव परंपरा से संबद्ध संस्था इस्कॉन के चटगांव आश्रम प्रमुख साधु चिन्मय प्रभु थे। ऐसे में बजाय अराजक तत्वों पर अंकुश की जगह शासन ने विरोध के स्वर को कुचलने के लिए यह बर्बर कार्रवाई की है।

इधर, रहा सवाल आरोपों का तो यह मसला न्यायालय के विचार का है, लेकन जिस प्रकार से इसे अनावश्यक तूल दिया गया है वो बेहद खतरनाक है। पूरे देश में हिंदू विरोधी हिंसा का माहौल है। इसी क्रम में एक अप्रत्याशित दुखांत घटना भी घटी है। विरोध प्रदर्शनों के बीच एक मुस्लिम वकील की हत्या हो गई, जिसके उपरांत हिंदू उत्पीड़न का सिलसिला सा पुनः चल पड़ा है और जिसकी परिणति चिन्मय प्रभु के पक्षकार अधिवक्ता के ऊपर आत्मघाती हमला है जिसके उपरांत वो अस्पताल में मौत से जूझ रहे हैं।

यही नही मुस्लिम अधिवक्ता हत्या में बिला वजह 70 हिंदू वकीलों को आरोपी बनाया गया है। इस नाते भय के कारण कोई भी वकील इनके लिए न्यायालय में खड़े होने को तैयार नहीं हैं।

न्यायालय पर मतांध शासन और मजहबी भीड़ दोनों का दबाब है। इस नाते सुनवाई अब जनवरी मे होनी है। यहां न्याय की मांग कर रहे हिंदुओं पर मतांध मुस्लिम भीड़ का टूट पड़ना अब सामान्य बात है। जबकि आपत्ति व्यक्त करने पर प्रशासन उलटे इन्हीं के साथ जोर जबरदस्ती कर रहा है।

बहरहाल, इस पूरे घटनाक्रम को चटग्राम के हिंदू व्यवसायियों संग पुलिस एवं अर्द्धसैनिक बलों द्वारा किए गए दुर्व्यवहार से समझा जा सकता है। भय के नाते यहां लोगों ने पुलिस मे मामला तक दर्ज नहीं कराया। इस बीच इस्कॉन जैसे विशुद्ध सेवाभावी अंतराष्ट्रीय आध्यात्मिक संस्था भी इनके निशाने पर है। इसे आतंकी संगठन घोषित करने हेतु प्रचार चलाया जा रहा है। यहां तक की न्यायालय पर अनुचित दबाब तक बनाया जा रहा है। जबकि यह संस्था भेदभाव से रहित निस्वार्थ सेवा और परोपकारी कार्यो के लिए जानी जाती है। ये लोग विभिन्न आपदाओं मे बढ़ चढ़कर राहत कार्यो चलाते रहे हैं। इसके उलट हिंदू युवतियों से दुर्व्यवहार और बलात्कार करने तथा हिंदू परिवार एवं मंदिरों पर हमला करने वालो पर कोई रोक-टोक नहीं है। ऐसा भी नहीं है कि प्रशासन इस संगठित एवं सुनियोजित अपराध से अवगत नहीं है। इन्हीं प्रवृतियों के नाते यहां इन दिनों अवयस्क हिंदू लड़कों पर ईशनिंदा के अनुचित आरोप जड़े जा रहे हैं, जिसकी परिणति हर बार जिहादी भीड़ द्वारा पुलिस बल के सामने इनकी नृशंस हत्या के रूप में घटनाएं सामने आ रही है।

दुनियाभर से इस बर्बर पाशविक कृत्य के विरोध में स्वर भी उठ रहे हैं। अमेरिका के विदेश विभाग से लेकर ब्रिटिश संसद और संयुक्त राष्ट्र संघ के पटल तक पर यह चर्चा का विषय बना हुआ है। यहां तक बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना और उनकी धुर विरोधी पार्टी बीएनपी के नेता तारिक रहमान ने भी इस पर चिंता व्यक्त की है।

पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया का यह पुत्र फिलहाल लंदन मे है। अपने भारत विरोधी विचार और बांग्लादेश के अतिवादी संगठन जमात से निकटता के बावजूद इन्होंने कहा है कि यदि ऐसा ही चलता रहा तो ये सरकार नहीं चलेगी। जबकि भारत मे निर्वासन काट रही शेख हसीना ने इसके लिए सीधे तौर पर चीफ एडवाइजर मोहम्मद यूनुस को जिम्मेदार ठहराया है। बात पड़ोसी देश भारत की करें तो उसके लिए वाकई यह चिंतापूर्ण स्थिति है। बांग्लादेश संग भारत की सीमा करीब चार हजार छियानवे किलोमीटर लंबी है, जिसका एक बड़ा हिस्सा नदी पहाड़ एवं जंगल के नाते दुर्गम है। इसलिए यहां सीमा पर गश्त एवं सुरक्षा कही मुश्किल है। ऐसे में बांग्लादेश के अंदर अतिवादी इस्लाम का उभार पूरे इस क्षेत्र के लिए एक बड़ी समस्या है।

यही नहीं एक अराजक सरकार का होना और भारत विरोधी शक्तियों का बढ़ता प्रभाव भारत के लिए परेशानियों का सबब है। यह भारत के आंतरिक एवं बाह्य सुरक्षा संग विकास के लिए भी एक गंभीर खतरा है। भारत ने बांग्लादेश संग आपसी सहमति के आधार पर कई सारी विकास परियोजनाओं को डाला है। ऐसे में हर एक अधर मे लटकती नजर आ रही है। इधर, एक तरफ बांग्लादेश के अल्पसंख्यक कातर नजर से भारत की ओर देख रहे हैं, वहीं दुनिया की निगाहों में सर्व शक्तिमान देश अपने पड़ोस में हो रहे इस नरसंहार को कैसे बर्दाश्त कर सकता है। भू-राजनैतिक ही नही सांस्कृतिक तौर पर भी भारत संग बांग्लादेश का रिश्ता गर्भनाल का रहा है। केवल बांग्लादेश का नवनिर्माण ही भारत की देन नहीं है।

1947 के पूर्व यह भूमि सदैव से भारत का भू-भाग रही है। ऐसे में भारत की आपत्तियां स्वाभाविक है, किंतु बांग्लादेश शासन बजाय परिस्थितियों पर नियंत्रण के जगह लगातार भारत विरोध को स्वर दे रहा है। यहां पाकिस्तान संग परमाणु करार से लेकर सैनिक कार्यवाही द्वारा भारतीय भू-भाग पर कब्जा जैसी बातें भी जोरशोर से हो रही हैं। पूरे देशभर में आए दिन भारत विरोधी रोषपूर्ण प्रदर्शन जारी है।

आवश्यकता इस प्रकरण के यथाशीघ्र पटाक्षेप की है। किंतु बांग्लादेश शासन भारत संग रिश्तों की बेहतरी के कोशिश मे कही दिख नहीं रहा है। इनके द्वारा अल्पसंख्यक हिंदू ,बौद्ध एवं ईसाइयों के दमन पर रोक का प्रयास भी नहीं हो रहा है, जबकि ये आबादी कोई छोटी नहीं है डेढ़ करोड़ से कही अधिक तो केवल यहां हिंदू है। इन सब के बावजूद मोहम्मद यूनुस सरकार पूरी तरह भारत के लिए तल्ख एवं आपत्तिजनक बयान बाजी पर उतारू है, जिसकी तपिश का असर सीमा पर भी दिख रहा है।

यहां बांग्लादेश की ओर से भारतीय सीमा पर सैन्य ड्रोनों को उड़ाया जा रहा है। यही नहीं इनके सैन्यबलों ने भारतीय सीमा में घुसकर एक मंदिर निर्माण को रोकने का भी दुस्साहसपूर्ण कृत्य किया है। ये सभी बातें तनाव को बढ़ाने वाली है। बात भारत की हो तो विपक्षी दल और उसके नेताओं के बयान भी राष्ट्रीय हित में आए हैं। कांग्रेस से लेकर केजरीवाल और ममता बनर्जी से मायावती तक ने इस मुद्दे पर केंद्रीय सरकार से सहमति व्यक्त करते हुए आवश्यक कार्यवाही की बात की है। ऐसे में भारत सरकार को इस विषय को लेकर कोई ठोस रणनीति बनानी होगी।

# दहेज उत्पीड़न मामलों में कानून का दुरुपयोग रुकना चाहिए

बेंगलुरु के एक टेकी अतुल सुभाष की खुदकुशी को लेकर जबरदस्त आक्रोश है। सुभाष ने पत्नी के कथित उत्पीड़न से आजिज आकर जान दे दी। उनके खिलाफ पत्नी ने दहेज उत्पीड़न, हत्या समेत 9 केस दर्ज करा रखे थे। सुभाष ने खुद को बेगुनाह बताते हुए 24 पन्ने का सुसाइड नोट और 80 मिनट के रिकॉर्डेड वीडियो संदेश में पत्नी के अत्याचारों को बयां किया था। उनका लिखा नोट और वीडियो के क्लिप मंगलवार से ही सोशल मीडिया पर वायरल हैं। संयोग से मंगलवार को ही सुप्रीम कोर्ट ने दहेज उत्पीड़न से जुड़े कानून पर चिंता जताते हुए कहा था कि ऐसे मामलों की सुनवाई में अदालतों को सावधानी बरतनी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि दहेज उत्पीड़न के मामलों में अदालतों को कानून का दुरुपयोग रोकने के लिए सावधानी बरतनी चाहिए। पति के सगे-संबंधियों को फंसाने की प्रवृत्ति को देखते हुए निर्दोष परिवार के सदस्यों को अनावश्यक परेशानी से बचाना चाहिए। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस एन. कोटिश्वर सिंह की बेंच ने कहा कि वैवाहिक विवाद से पैदा हुए आपराधिक मामले में परिवार के सदस्यों की सक्रिय भागीदारी को इंगित करने वाले विशिष्ट आरोपों के बिना उनके नाम का जिक्र शुरू में ही रोक दिया जाना चाहिए। बेंच ने कहा है कि न्यायिक अनुभव से यह सर्वविदित तथ्य है कि वैवाहिक विवाद उत्पन्न होने की स्थिति में अकसर पति के सभी परिजनों को फंसाने की प्रवृत्ति होती है। ठोस सबूतों या विशिष्ट आरोपों के बिना सामान्य प्रकृति के और व्यापक आरोप आपराधिक अभियोजन का आधार नहीं बन सकते हैं। इसलिए, शीर्ष अदालत ने कहा कि ऐसे मामलों में अदालतों को कानूनी प्रावधानों और कानूनी प्रक्रिया का दुरुपयोग रोकने और परिवार के निर्दोष सदस्यों को अनावश्यक परेशानी से बचाने के लिए सावधानी बरतनी चाहिए। कोर्ट ने यह टिप्पणी तेलंगाना हाई कोर्ट के उस आदेश को खारिज करते हुए की थी, जिसमें एक महिला द्वारा अपने पति, उसके माता-पिता और परिवार के अन्य सदस्यों के खिलाफ दर्ज दहेज उत्पीड़न के मामले को खारिज करने से इनकार कर दिया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने इससे पहले इस साल मई में आचिन गुप्ता बनाम हरियाणा राज्य मामले में पंजाब एंड हरियाणा हाई कोर्ट के एक फैसले को खारिज करते हुए इसी तरह की टिप्पणी की थी। अदालत ने दहेज प्रताड़ना से संबंधित कानून के दुरुपयोग पर चिंता जताते हुए कहा था कि इस कानून में जरूरी बदलाव किया जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस जेबी पारदीवाला और मनोज मिश्र की बेंच ने कहा था कि भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 85 और 86 एक जुलाई से प्रभावी होने वाली है। ये धाराएं आईपीसी की धारा 498ए को दोबारा लिखने की तरह है। हम कानून बनाने वालों से अनुरोध करते हैं कि इस प्रावधान के लागू होने से पहले भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 85 और 86 में जरूरी बदलाव करने पर विचार करना चाहिए ताकि इसका दुरुपयोग न हो सके। नए कानून में दहेज प्रताड़ना से संबंधित कानून की परिभाषा में कोई बदलाव नहीं किया गया है। केवल इतना बदला है कि धारा 86 में दहेज प्रताड़ना से संबंधित प्रावधान के स्पष्टीकरण का जिक्र है। सुप्रीम कोर्ट ने रजिस्ट्री को निर्देश दिया था कि इस फैसले को गृह मंत्रालय और कानून मंत्रालय के मंत्री को भेजा जाए। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में 2010 में दिए अपने एक फैसले का जिक्र किया था, जिसमें उसने दहेज प्रताड़ना से जुड़े कानून के मिसयूज को रोकने के लिए कानून में बदलाव की सिफारिश संसद से की थी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि 498ए के मामले में जब शिकायत की जाती है तो कई बार मामले को बढ़ा-चढ़ाकर बताया जाता है। ऐसे में संसद से अनुरोध है कि वह व्यावहारिक सच्चाई को देखते हुए इस कानून में बदलाव पर विचार करें। अदालत ने कहा था कि समय आ गया है कि विधायिका को इस मामले पर विचार करना चाहिए। आचिन गुप्ता बनाम हरियाणा राज्य मामले में एक महिला की ओर से पति के खिलाफ दर्ज कराए गए दहेज प्रताड़ना के मामले को खारिज करने की मांग की गई थी। केस को खारिज करने की पति की याचिका को पंजाब एंड हरियाणा हाई कोर्ट ने ठुकरा दिया था। इसके बाद पति ने सुप्रीम कोर्ट की शरण ली थी। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने पाया था कि एफआईआर में लगाए गए आरोप अस्पष्ट थे। ऐसा लगता था कि ये आरोप वैवाहिक विवादों के कारण प्रतिशोध का हिस्सा थे। इससे पहले भी सुप्रीम कोर्ट समेत देश की कई अदालतों ने इस कानून पर सवाल उठाए थे। सुप्रीम कोर्ट ने आठ फरवरी 2022 को एक फैसले में कहा था कि 498ए (दहेज प्रताड़ना कानून) में पति के रिश्तेदारों के खिलाफ आरोप के बिना केस चलाना कानूनी प्रक्रिया का दुरुपयोग है। दिल्ली हाईकोर्ट ने 2003 में एक मामले की सुनवाई के दौरान कहा था कि कई बार लड़की न सिर्फ अपने पति, बल्कि उसके कई रिश्तेदारों पर भी केस दर्ज करा देती है। अदालत ने कहा था कि धारा-498ए शादी की बुनियाद को हिला रही है।

# जिलाधिकारी द्वारा नवजात शिशु मृत्यु दर में कमी लाने और बेहतर स्वास्थ्य के लिए शुरू की गई है मुहिम

## जिले के सभी सीएचसी और ज़िला महिला चिकित्सालय में बनेंगे एमएनसीयू वार्ड

**गौरव सिंघल । सिटी चीफ**

सहारनपुर, जिलाधिकारी सहारनपुर मनीष बंसल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित नवीन सभागार में समस्त सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों एवं जिला महिला चिकित्सालय को एमएनसीयू (मदर न्यूबोर्न केयर यूनिट) से संतृप्त कराए जाने हेतु कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में सभी चिकित्सा अधीक्षकों और सीएमओ के साथ बैठक कर खाका तैयार किया गया। डीएम मनीष बंसल द्वारा जनपद में शिशु मृत्यु दर को कम करने और शिशु स्वास्थ्य को बेहतर करने के लिए मुहिम प्रारंभ की गई है। जिसके तहत ज़िले के सभी सीएचसी और ज़िला महिला चिकित्सालय में एमएनसीयू और सीएनसीयू वार्ड बनेंगे। जिसमें जच्चा और बच्चा को आधुनिक सुविधाएं मिलेंगी। एमएनसीयू वार्ड निर्माण में कम्यूनिटी एम्पावरमेंट लैब (सीईएल) का वैज्ञानिक एंव तकनीकी सहयोग लिया जाएगा। जिलाधकारी ने सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों को निर्देशित किया कि इस महत्वपूर्ण कार्य को जनवरी माह में पूर्ण कर लिया जाए। उन्होंने कहा कि जिन अस्पतालों में एमएनसीयू वार्ड बनकर तैयार हो जाएंगे उनको 26 जनवरी को सम्मानित किया जाएगा।जिलाधिकारी मनीष बंसल ने बताया कि जनपद में नवजात शिशु मृत्यु दर में कमी लाने तथा माँ और शिशुओं को एक साथ रखने के लिए समस्त सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों एवं जिला महिला चिकित्सालय में मदर न्यूबॉर्न केयर यूनिट बनाने का कार्य होना है।. एमएनसीयू वार्ड में नवजात शिशु को मां के साथ केएमसी देते हुए बेहतर तरीके से उपचार किया जाएगा, जिससे मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी आएगी। मदर न्यू बोर्न केयर यूनिट (एमएनसीयू) वार्ड में नवजात शिशु को मां के साथ-साथ उपचार कराया जाएगा। जनपद में बनाए जाने वाले एमएनसीयू वार्ड को विशेष सुविधाओं के साथ तैयार किया जाएगा, जहां मां के साथ ही नवजात शिशु को प्रशिक्षित स्टाफ़ नर्स, चिकित्सक द्वारा उपचार दिया जाएगा। जिसमें नवजात शिशु के अनुसार तापमान रखा जाएगा। एमएनसीयू वार्ड में नवजात शिशु को मां के साथ बेहत से बेहतर सुविधाएं दी जाएंगी, जो नवजात शिशु को नया जीवन देने का कार्य करेंगे। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी सुमित राजेश महाजन, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक जिला अस्पताल डॉ0 रामानंद, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक महिला चिकित्सालय डॉक्टर इंद्रा सिंह, कम्यूनिटी एम्पावरमेंट लैब से विरल सिंह, समस्त एमओआईसी सहित सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

# कटनी में चोरो ने सुने मकान को बनाया शिकार

## पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया

**सुनील यादव । सिटी चीफ**

कटनी, कटनी जिले में विगत दिनों सुने मकान में हुई चोरी के मामले में त्वरित कार्यवाही करते हुए चोरी की घटना सामने आने के कुछ घंटे बाद ही एक आरोपी को गिरफ्तार कर चोरी का माल बरामद कर लिया था। उक्त मामले में एक आरोपी फरार हो गया था जिसे गिरफ्तार करने में कुठला पुलिस ने सफलता प्राप्त की है। पकड़े गए आरोपों के पास से भी कुछ माल चोरी का बरामद हुआ है।

कुठला थाना प्रभारी अभिषेक चौबे ने बताया कि 24 नवंबर को लालता प्रसाद यादव निवासी साई मंदिर के पीछे इन्द्रानगर थाना कुठला द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि पिता का स्वर्गवास हो जाने से 19 नवंबर 2024 को वे अपने पैतृक ग्राम विनायका चले गए थे। 25 नवंबर 2024 की सुबह मोहल्ले वालों ने फोन करके घर खुला होने तथा चोरी होने की जानकारी उन्हें दी।घर आकर देखा तो दरवाजे का ताला तोड कर घर के अंदर रखी पलंगपेटी का ताला टूटा था जिसमें रखा एक मोबाईल टेक्नास्पार्क, मोबाइल एवं सोने चाँदी के आभूषण कुल कीमत 1 लाख 90 हजार रुपये कीमत का कोई अज्ञात चोर चोरी कर ले गया था। रिपोर्ट पर थाना कुठला पुलिस ने प्रकरण कायम कर विवेचना में लिया। कुठला पुलिस ने टीम का गठन कर चोरी के बरसात के 24 घण्टे के भीतर पहले ही एक चोर को अरेस्ट कर लिया था जिसका नाम सूरज सिंह उर्फ रिंकू गोंड उर्फ पन्नी है जिससे पूछताछ की गई। जिसने अपने एक अन्य साथी बबलू उर्फ बबला केवट पिता इन्द्रभान केवट के साथ सूने घर में घुसकर चोरी की घटना घटित करना बताया। उसने चोरी का कुछ सामान रेल्वे लाईन के किनारे रखना बताया था। जिसे जप्त किया गया तथा आरोपी सूरज सिंह उर्फ रिंकू गोंड उर्फ पन्नी को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय पेश किया। माननीय न्यायालय के आदेश से जेल दाखिल किया गया। मामले के अन्य आरोपी एवं चोरी गए मसरुका की तलाश हेतु अलग अलग टीमें गठित की गई मामले के अन्य आरोपी बबलू उर्फ बबला निषाद निवासी आधारकाप मछलिया डेरा थाना एनकेजे को काफी मेहनत के बाद पकड़ा गया। जिससे पूछताछ करने पर अपने साथी रिंकू पन्नी के साथ चोरी की घटना घटित करना बताया तथा चोरी का सामान छत्तीसगढ़ रायगढ़ में अपनी बहिन के घर के पीछे छिपाकर रखना बताया था। जिसे छत्तीसगढ़ रायगढ़ जाकर बरामद किया गया। आरोपी बबलू उर्फ बबला निषाद पिता इन्द्रभान निषाद निवासी आधारकाप मछलिया डेरा थाना एनकेजे को माननीय न्यायालय पेश किया गया जो माननीय न्यायालय द्वारा उन्हे जेल भेजा गया है।

# लोक प्राधिकरणों के कार्यालयों में आवेदन पत्रों के साथ नकद स्वरूप आवेदन शुल्क तथा नकद स्वरूप अतिरिक्त शुल्क को नागरिकों को समुचित प्राप्ति प्रदान करते हुए स्वीकार किया जायेगा

**गौरव सिंघल । सिटी चीफ**

सहारनपुर, नगर मजिस्ट्रेट गजेन्द्र कुमार ने बताया कि लोक प्राधिकरणों के नियंत्रणाधीन सूचनाओं तक नागरिकों की पहुँच सुनिश्चित करने तथा लोक प्राधिकरणों की कार्य प्रणाली में पारदर्शिता लाने व सूचना के प्रवाह को व्यवहारिक बनाने के उद्देश्य से सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 पूरे देश में प्रभावी है। अधिनियम की धारा 6 (1) के अन्तर्गत सूचना प्राप्त करने के अनुरोध के साथ निर्धारित शुल्क जमा किए जाने का प्राविधान है, जो संदेय समुचित प्राप्ति के बदले में नकद स्वरूप या डिमाण्ड ड्राफ्ट या बैंकर्स चैक या भारतीय पोस्टल आर्डर के माध्यम से आवेदन पत्र के साथ संलग्न किया जा सकता है। आवेदन शुल्क तथा अतिरिक्त शुल्क को नकद स्वरूप में भारतीय डाक सेवा के माध्यम से प्रेषित करना उ0प्र0 सूचना का अधिकार नियमावली, 2015 के नियम 5(1) व 5(2) का उल्लंघन करने के साथ-साथ भारतीय पोस्टल सेवा के अन्तर्गत विधिक रूप से निषिद्ध है। उ0प्र0 सूचना का अधिकार नियमावली, 2015 के नियम 5(1) के अन्तर्गत नागरिकों द्वारा आवेदन पत्र के साथ प्रेषित किये जाने वाले आवेदन शुल्क समुचित प्राप्ति के बदले में नकद स्वरूप के सम्बन्ध में उ0प्र0 शासन द्वारा निर्देशित किया है कि उ0प्र0 सचिवालय के विभागों के अतिरिक्त अन्य लोक प्राधिकरणों के कार्यालयों में प्रेषित किये जाने वाले आवेदन पत्रों के साथ नकद स्वरूप आवेदन शुल्क तथा नकद स्वरूप अतिरिक्त शुल्क को नागरिकों को समुचित प्राप्ति प्रदान करते हुए स्वीकार किया जायेगा।गजेन्द्र कुमार ने बताया कि इसके अतिरिक्त जनसूचना आवेदन एवं प्रथम अपील प्रस्तुत किये जाने हेतु नागरिक उत्तर प्रदेश राज्य में सूचना का अधिकार अधिनियम के अन्तर्गत विकसित किये गये वैब पोर्टल https://rtionline.up.gov.in का उपयोग कर सकते हैं। उत्तर प्रदेश शासन की अपेक्षाओं के अनुरूप जनसूचना आवेदन प्रस्तुत किये जाने हेतु उ0प्र0 सूचना का अधिकार नियमावली, 2015 के नियम 5 (1) व 5(2) एवं उ0प्र0 शासन द्वारा पारित शासनादेश का अनुपालन करें।

# कुठला पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों की संयुक्त टीम ने की कबाड़ व्यवसाईयों के गोदाम की जांच

## चोरी का माल और विस्फोटक सामग्री एकत्र न करने दी हिदायत

**सुनील यादव । सिटी चीफ**

कटनी, कटनी के कुठला थाना प्रभारी ओर पुलिस बल के साथ जिला प्रशासन के अधिकारियों ने चाका स्थित कबाड़ व्यवसाय के गोदामों में अचानक दबिश देते हुए विस्फोटक सामग्री और चोरी गए मालों की जांच करते हुए कार्यवाही की है। इस तरह की कार्यवाही कुठला पुलिस लगातार कर रही है। कुठला थाना प्रभारी अभिषेक चौबे ने बताया कि उन्हें सूचना मिली थी कि चाका स्थित बड़े कबाड़ व्यसायिक करने वाले अपने गोदाम में विस्फोटक सामग्री के अलावा चोरी गए सामनों को रखे हुए है जिस सूचना के आधार पर पुलिस बल के साथ जिला प्रशासन के अधिकारियों ने अचानक थाना क्षेत्र चाका स्थित बड़े कबाड़ गोदामों में अचानक दबिश देते हुए कबाड़ में रखे सामनों की जांच की गई, इस जांच के दौरान तो उन्हें अभी तक कुछ नहीं मिला है लेकिन इस तरह की कार्यवाही लगातार की जा रही है। वही आज जो जांच की कार्यवाही की उस दौरान दौरान कुठला की पुलिस के साथ नायब तहसीलदार एवं पटवारी भी मौजूद रहे। पुलिस तथा प्रशासन की संयुक्त टीम ने कबाड़ियों के ठिकाने में उनके दस्तावेजों की जांच करते हुए स्टॉक का भी निरीक्षण किया।

# एग्रीस्टैंक परियोजना अन्तर्गत किसानों का पंजीयन कार्य हेतु नोडल अधिकारी एवं पटवारियों की लगाई गई है ड्यूटी

**गणेश वैष्णव । सिटी चिफ**

नारायणपुर, एग्रीस्टैंक परियोजना अन्तर्गत नारायणपुर जिले के कुल 12 हजार 20 किसानो का फार्मर रजिष्ट्रि किया जाना हैं। जिले में स्थित धान उपार्जन केन्द्रों में कैम्प लगाकर उस उपार्जन केन्द्र से संबधित सभी ग्रामों के किसानो का पंजीयन मोबाईल एप्लीकेशन एग्रीस्टैक एप्प के माध्यम से किया जाएगा। पंजीयन का कार्य लोक सेवा केन्द्र के ऑपरेटरों के माध्यम से, स्वपंजीयन से और एप्लीकेशन के माध्यम से किया जा सकता हैं। अपर कलेक्टर श्री बिरेन्द्र बहादुर पंचभाई द्वारा धान खरीदी केन्द्र नारायणपुर हेतु नोडल अधिकारी ग्रामीणा कृषि विस्तार अधिकारी धरोत्तम देहारी को, बिंजली धान खरीदी केन्द्र बिंजली हेतु ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी दीपक बरसैया गुप्ता, धान खरीदी केन्द्र गरांजी (एड़का) हेतु ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी कमलेश नाग, धान खरीदी केन्द्र बेनूर हेतु ग्रामीण उद्यान विस्तार अधिकारी जितेन्द्र कुमार नायक, चांदागांव हेतु ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी संजय सिंह नाग, दण्डवन हेतु ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी सोनाउराम पोटाई, गढ़बेंगाल हेतु ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी सीके तिलगाम, धौड़ाई हेतु ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी जयसिंह पोटाई, कन्हारगांव हेतु ग्रामीण उद्यान विस्तार अधिकारी सनत कोर्राम, झारा हेतु ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी अनिता नेताम, छोटेडोंगर हेतु ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी रस्सू वड्डे, बाकुलवाही हेतु ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी महेश कुमार सलाम, कुकड़ाझोर हेतु ग्रामीण उद्यान विस्तार अधिकारी चन्द्रशेखर नायक, सोनपुर हेतु ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी विपिन कुमार साहू, बासिंग हेतु ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी डमेन्द्र मांझी, कोहकामेटा हेतु ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी सुन्दर वड्डे और धान खरीदी केन्द्र ओरछा हेतु ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी विरेन्द्र कुमार बंजारे को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। साथ सभी नोडल अधिकारियों के साथ किसानों का पंजीयन कार्य को निर्धारित निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण कराये जाने हेतु पटवारियों की भी ड्यूटी लगाई गई है।

# जिले में मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान के सफल क्रियान्वयन हेतु कलेक्टर ने जारी किये निर्देश

**धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ**

दमोह, भारत सरकार एवं राज्य शासन के विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं एवं सेवाओं के लाभ उनके पात्र हितग्राहियों तक समय-सीमा में पहुंचाने के उद्देश्य से जिले में 11 दिसम्बर से 26 जनवरी 2025 तक मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान का आयोजन किया जा रहा है। अभियान के दौरान चिन्हित योजनाओं एवं सेवाओं के पात्र हितग्राहियों को लाभ प्रदान कर शत प्रतिशत सैचुरेशन लाया जाना इस अभियान का मुख्य उद्देश्य है।

जिले में मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान के सफल क्रियान्वयन हेतु कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने निर्देश जारी किये है। जिसके अनुसार अभियान में चिन्हित योजनाओं एवं सेवाओं से संबंधित ग्राम/ग्राम पंचायत/ विकासखण्ड/ वार्ड/ नगर पालिका/ नगर परिषद स्तर पर पदस्थ अधिकारियों/कर्मचारियों को मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत/मुख्य नगर पालिका अधिकारियों से समन्वय करते हुये सम्पर्क दल बनाया जाये। जिले में चिन्हित योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ लेने से वंचित हितग्राहियों की पहचान हेतु 11 दिसम्बर से 20 दिसम्बर 2024 तक प्रत्येक ग्राम एवं शहरी वार्ड में सम्पर्क दलों को भेजा जाये एवं शत प्रतिशत् परिवारों का सर्वे कराया जाये। सर्वे दल द्वारा सर्वे के दौरान निर्धारित प्रपत्र में हितग्राहियों का विवरण दर्ज करते हुये आवेदन प्राप्त किये जायें एवं संबंधित शिविर प्रभारी को सौंपे जायें। शिविर प्रभारी अपने लॉगिन आई.डी. के माध्यम से सर्वे दलों से प्राप्त प्रपत्र अनुसार आवेदनों की जानकारी सी.एम. हेल्पलाईन पोर्टल (https://cmhelpline.mp.gov.in ) पर प्रति दिवस दर्ज करायेंगे। शिविर प्रभारियों की लॉगिन आई.डी. पासवर्ड संबंधित जनपद पंचायत/नगर पालिका कार्यालयों से प्राप्त होगी। सम्पर्क दल द्वारा ही धरती आवा योजना अंतर्गत लक्षित हितग्राहियों/परिवारों का Gap Identification का कार्य किया जाकर संबंधित मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत/मुख्य नगर पालिका अधिकारी के माध्यम से जिला स्तरीय नोडल अधिकारी को सौंपा जायेगा। 11 दिसम्बर से 26 जनवरी 2025 तक प्रत्येक ग्राम पंचायत एवं वाडों में शिविरों के आयोजन जिला स्तर से जारी रोस्टर अनुसार किये जायेगें। शिविरों में सर्वे के दौरान प्राप्त आवेदनों के निराकरण किये जायेंगे एवं नवीन आवेदन भी प्राप्त किये जायेंगे, जिसकी जानकारी शिविर प्रभारी की लॉगिन आई.डी. से सी.एम. हेल्पलाईन पोर्टल पर दर्ज की जायेगी। कलेक्टर ने समस्त संबंधित विभाग प्रमुखों से कहा है सुनिश्चित करें कि अभियान में चिन्हित योजनाओं एवं सेवाओं से संबंधित सर्वे का कार्य निर्धारित समयावधि में शत प्रतिशत हो जाये।

# दमोह में हुआ अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव कार्यक्रम का हुआ आयोजन

## व्याख्यान से लोगों की जानकारी बढ़ेगी और गीता के बारे में जान सकेंगे-विधायक जयंत कुमार मलैया

**धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ**

0दमोह, गीता जयंती के अवसर पर आज अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव कार्यक्रम पूर्व वित्तमंत्री एवं दमोह विधायक जयंत कुमार मलैया ने प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस के ऑडोटोरियम में दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया। इस अवसर पर सरस्वती शिशु मंदिर के छात्र-छात्राओं ने श्लोक वाचन एवं बांदकपुर के विद्वान पंडितों द्वारा गीता का स-स्वर पाठ किया। विधायक श्री मलैया ने संस्कृति विभाग की ओर से गीता के चित्रों पर लगाई गई प्रदर्शनी का फीता काटकर शुभारंभ किया। उन्होंने प्रदर्शनी का अवलोकन किया। गीता के प्रख्यात वक्ता विचारक एवं लेखक डॉ.विजय अग्रवाल का स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया। इस अवसर पर विधायक श्री जयंत कुमार मलैया ने कहा गीता का ज्ञान विषय पर व्याख्यान कार्यक्रम प्रारंभ हुआ है, जिसका आज प्रथम दिवस है। इसमें देश के प्रख्यात वक्ता, विचारक और लेखक डॉ. विजय अग्रवाल आये हुये हैं, उन्होंने बहुत सी पुस्तकें लिखी है और गीता के ऊपर भी दो पुस्तकें लिखी हैं। निश्चित रूप से उनके व्याख्यान से लोगों की जानकारी बढ़ेगी और गीता के बारे में जान सकेंगे। उनकी एक किताब है समय प्रबंधन, आज लोगों को बहुत आवश्यकता है समय प्रबंधन को यदि हमने इसे अपने जीवन में आत्मसात कर ले तो हम बहुत सी चीजें कर सकते हैं और आराम से कर सकते हैं। उन्होंने कहा डॉ. विजय अग्रवाल हमारे बीच में आए हैं इसके लिये अपनी और जिले वासियों की आपका बहुत-बहुत हार्दिक वंदन करता हूं, अभिनंदन करता हूं। लेखक एवं विचारक डॉ. विजय अग्रवाल ने कहा मध्य प्रदेश सरकार ने यह फैसला किया है कि गीता जयंती का उत्सव पूरे राज्य में मनाया जाएगा, यह अपने आप में बहुत अद्भुत निर्णय है। मुख्यमंत्री जी उज्जैन के हैं, भगवान श्री कृष्ण ने उज्जैन में शिक्षा प्राप्त की, जो ज्ञान के बीज उज्जैन में उनके अंदर पड़े वह जाकर के कुरुक्षेत्र में वट वृक्ष बने, मुख्यमंत्री जी भी उज्जैन से हैं उनके द्वारा जो यह शुरुआत की गई है गीता जयंती की मुझे लगता है कि वे इसके लिए सबसे उपयुक्त पात्र है, जिन्होंने इसकी शुरुआत कराई है। डॉ. अग्रवाल ने कहा यदि गीता का ज्ञान, गीता की परंपरा सही मायने में लोगों तक पहुंच सके और लोग इसे स्वीकार करके अपने जीवन में उतार सकें तो जीवन का स्वरूप बिल्कुल बदल जाएगा। यदि जीवन का स्वरूप बदलेगा तो समाज का स्वरूप बदल जाएगा, समाज का स्वरूप बदलेगा तो राष्ट्र का स्वरूप बदल जाएगा। गीता बहुत ही महान ग्रंथ है लेकिन अनफॉर्चूनेटली गीता उस स्वरूप में लोगों तक पहुंच नहीं पाई है, इसी को लेकर मैंने अभी दो किताबें लिखी है, एक गीता का ज्ञान और दूसरी स्टूडेंट और गीता का ज्ञान, इन किताबों में मैंने गीता को सरल तरीके से बताने की कोशिश की है ताकि सरलता से गीता को समझ करके लोग उसे अपने जीवन में उतार सके। डॉ. अग्रवाल ने कहा गीता गीत है, गीता शब्द गीत से बना हुआ है। लगातार 15-20 सालों के अध्ययन के बाद पिछले साल मेरी एक किताब गीता का ज्ञान आई है, जिसमें गीता को बहुत सरल तरीके से समझने की कोशिश की है। गीता बेसिकली हमारी लाइफ की फिलॉसफी है और सबसे बड़ी बात यह है की लाइफ की सबसे बड़ी प्रैक्टिकल फिलॉसफी है, गीता में जितनी बातें कहीं गई है उसमें से एक भी बात ऐसी नहीं है जो हमारे प्रेक्टिकल लाइफ में संभव न हो। उन्होंने कहा गीता हमें याद दिलाने की कोशिश करती है कि तुम कितनी संभावनाओं से भरे हुए हो, जब आप अपने कर्म को कौशल के साथ करते हैं, तो योग अपने आप ही सध जाता है, आपके अंदर हिमालय बनने की संभावना है, आप उसे पाने की कोशिश कीजिए, आप ऐसा कर सकते हैं पृथ्वी ने हमें गौरैया बनाकर भेजा है, हमारे अंदर गरुड़ बन जाने की संभावना निहित है, आप गीता के माध्यम से ऐसा कर सकते हैं। डॉ. अग्रवाल ने कहा कृष्ण ने दसवीं अध्याय में बहुत डिटेल में यह बताया है कि अर्जुन तुम यदि समझना चाहते हो कि मैं क्या हूं तो कृष्ण कहते हैं, मैं पर्वत हूं। लेकिन पर्वतों में मैं हिमालय हूं, मैं हाथी भी हूं लेकिन हाथी में मैं एरावत हूं, मैं पक्षी भी हूं लेकिन पक्षी में मैं गरुण हूं, मैं जलाशय भी हूं लेकिन जलाशय में मैं समुद्र हूं और उन्होंने कहा महीने में मैं अगहन हूं, आज के दिन ही सुबह-सुबह कृष्ण ने अर्जुन को गीता का उपदेश दिया था। उन्होंने कहा कोशिश कीजिए कि हम सभी अपनी-अपनी पहचान में रहें, जो व्यक्ति जितनी ज्यादा अपनी पहचान में रहेगा वह उतना परफेक्ट होगा और उतना ही कृष्ण के निकट पहुंच सकेगा, जैसे अभी मेरी पहचान एक वक्ता के रूप में है और आपकी पहचान एक श्रोता के रूप में है । हमारी पहचान हर क्षण बदलती रहती है, बाहर और घर में अलग-अलग पहचान होती है, जितनी ज्यादा हम अपनी परफेक्ट आईडेंटिटी में रहेंगे, हमारा डिसीजन उतने परफेक्ट होंगे, बिहेवियर पैटर्न उतना ही ज्यादा परफेक्ट होगा तो कोई समस्या आएगी ही नहीं। उन्होंने कहा गीता कोई धर्म ग्रंथ नहीं है, लेकिन गीता में कृष्ण ने कई जगह पर धर्म शब्द का उपयोग किया है, महाभारत में साफ तौर पर धर्म की परिभाषा है की जो विश्व को धारण करता है वह धर्म है। कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने कहा राज्य शासन के निर्देशानुसार पूरे प्रदेश में 11 दिसंबर को गीता जयंती का कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी सिलसिले में दमोह जिले में मुख्य कार्यक्रम आज प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस दमोह में आयोजित किया गय। कलेक्टर श्री कोचर ने कहा आज बड़ी खुशी की बात है कि सरस्वती शिशु मंदिर के विद्यार्थियों और गीता प्रतिष्ठान के विप्रजन के द्वारा यहाँ पर गीता का स-स्वर पाठ किया गया। उस के बाद डॉक्टर विजय अग्रवाल साहब का व्याख्यान यहाँ पर दमोह की जनता को सुनने को मिला। गीता का ज्ञान विषय के ऊपर वे गीता के प्रकांड विद्वानों में से एक माने जाते हैं। डॉ. अग्रवाल जी ने गीता पर दो किताबें भी लिखी हैं। उनका एक गीता पर व्हाट्सएप क्लब भी चलता है। देश-विदेश में वो व्याख्यान देने के लिए गीता पर जाते हैं। आज उनके व्याख्यान सुनने का सौभाग्य हम सबको मिला। कलेक्टर ने यहाँ पर एक बहुत अच्छी प्रदर्शनी भी लगाई गई है जो की राज्य शासन के संस्कृति विभाग के माध्यम से लगाई गई है। मेरा अनुरोध है गीता पर केन्द्रित यह प्रदर्शनी अभी लगी रहेंगी। प्रदर्शनी को सभी लोग अवलोकन जरूर करें और मुझे विश्वास है आज के इस कार्यक्रम से गीता को जीवन में उतारने के लिए प्रैक्टिकल सूत्र (व्यवहारिक सूत्र) दिए हैं,हम सब उसका पालन करेंगे तो हमारे जीवन में गीता उतरने लगेगी।

# स्वरोजगार स्थापित कर आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर महिला उद्यमी रजिया

**गणेश वैष्णव | सिटी चिफ**
जगदलपुर, जगदलपुर शहर के एक मध्यम वर्गीय परिवार से ताल्लुक रखने वाली शेख रजिया अपने हुनर और मेहनत के दम पर आज एक सफल महिला उद्यमी हैं एवं बस्तर क्षेत्र के लिए एक मिसाल बन गई हैं। उनकी प्रारंभिक शिक्षा जगदलपुर से पूरी कर आगे की पढ़ाई के लिए शेख रजिया हैदराबाद गई और वहां विज्ञान में रूचि होने के कारण माइक्रोबायोलॉजी में मास्टर्स किया। तत्पश्चात वह अपने पिता और भाई के बिजनेस में हाथ बंटाने के बजाए अपना स्वयं का उद्यम बस्तर फूड फर्म जगदलपुर में स्थापित किया है। इस उद्यम को अपनी कड़ी मेहनत और लगन से संचालित कर वह आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर हो चुकी हैं।

रजिया बताती हैं कि अपनी पढ़ाई के बाद बस्तर क्षेत्र में प्रचुर मात्रा में उपलब्ध वनोत्पादों के प्रसंस्करण कर उद्यम स्थापित करने का निश्चय किया। शुरूआत में वह वनोत्पादों पर कार्य कर रही कुछ महिला समूहों के साथ कार्य किया। इस दौरान वन विभाग और जिला प्रशासन से जुड़ गई। एक दिन वह स्टार्ट-अप के संबंध में जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र जगदलपुर आई तब उन्हें प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना के बारे में पता चला और विभागीय अधिकारियों की मदद से पंजीयन कर फार्म भरवाया गया। इसके बाद कैनरा बैंक जगदलपुर को परियोजना प्रस्ताव प्रेषित किया गया। लगभग तीन महीने पश्चात बैंक ने उनको प्लांट एवं मशीनरी हेतु 10 लाख रुपए का ऋण स्वीकृत कर प्रदाय किया गया। जिसमें उन्हें विभागीय योजनान्तर्गत 35 प्रतिशत का अनुदान भी प्रदान किया गया। शासन की स्वरोजगार योजनांतर्गत वित्तीय सहायता प्राप्त कर शेख रजिया आज एक सफल महिला उद्यमी बन गई हैं। रजिया अपने इस खाद्य प्रसंस्करण उद्यम में पहले जुड़ चुकी महिला समूह के सदस्यों को कार्य पर रखा है, जिससे उन्हें भी नियमित तौर पर रोजगार सुलभ हो रहा है। इस उद्यम के जरिए अच्छी आमदनी अर्जित कर वह बैंक की ऋण राशि के किश्त को भी नियमित रूप से जमा कर रही हैं। अपने उद्यम बस्तर फूड फर्म में मुख्य उत्पाद महुआ लड्डू, ईमली चटनी, वाईल्ड हनी एवं महुआ चाय के बेहतर गुणवत्तापूर्ण पैकेजिंग एवं ब्रांडिंग के दम पर आज वह राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित प्रदर्शनी में भाग लेती हैं और छत्तीसगढ़ का नाम रोशन कर रही हैं।

# रसूखदार रावेंद्र गुप्ता का रसूख ऐसा की राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज नाले को पाट कर बंद किया जल स्रोत फिर भी प्रशासन नही कर रहा जांच

**यशपाल सिंह जाट | सिटी चीफ**
अनूपपुर, रावेंद्र गुप्ता उर्फ भूरा सेठ की सकरिया ग्राम स्थित जमीन खसरा नंबर 60 जिसमें राजस्व के रिकार्ड अनुसार नाला है ,वो नाला आज उसकी जमीन के नीचे दबा अपनी अंतिम सांसे ले रहा है और माननीय कलेक्टर महोदय से गुहार लगा रहा है कि मैं कागज में यही से बहता हूं पर मिट्टी से मुझे दबा दिया गया हैं कृपया मुझे अपने पुराने रस्ते पर बहने दें नहीं तो मेरी सांसे इस जमीन के नीचे बंद हो जाएगी, मामला है खसरा नंबर 60 में बहते हुए एक छोटे से नाले का जिसे जमीन मालिक द्वारा पाट दिया गया अब पानी तो पानी है कही न कही तो अपनी जगह बनाएगा ही इसलिए पानी ने अपना रास्ता बदल लिया जिससे वह गुप्ता जी की सकरिया ग्राम की जमीन से न गुजर कर मिश्रा जी की परसवार ग्राम की जमीन से बहने लगे लेकिन सकरिया नाले को यह नहीं पता था कि उसे सकरिया की जगह परसवार से गुजरना पड़ेगा , अब साकरिया नाला प्रशासन से गुहार लगा रहा हैं कि मैं पुराने रस्ते पर सही था मुझे ज्यादा दूरी भी तय नहीं करनी होती थी और मेरा बहाव भी ठीक था मेरे साथ शुरुवात से ही अन्याय होता आ रहा है मै जहां जहां से होकर गुजरा लोगो ने मुझे दबाया कुचला पर प्रशासन ने मेरा ध्यान नहीं रखा ,कम से कम अब तो मेरी गुहार सुनो और मुझे मेरे वास्तविक रस्ते में जहां - जहां मैं बहता हुआ आया करता था वहां- वहां मुझे मुक्त कर मुझे मेरे पुराने राजस्व रिकॉर्ड के अनुसार वापस यथावत लाए माननीय कलेक्टर महोदय से मुझ सकरिया नाले का यही निवेदन है।

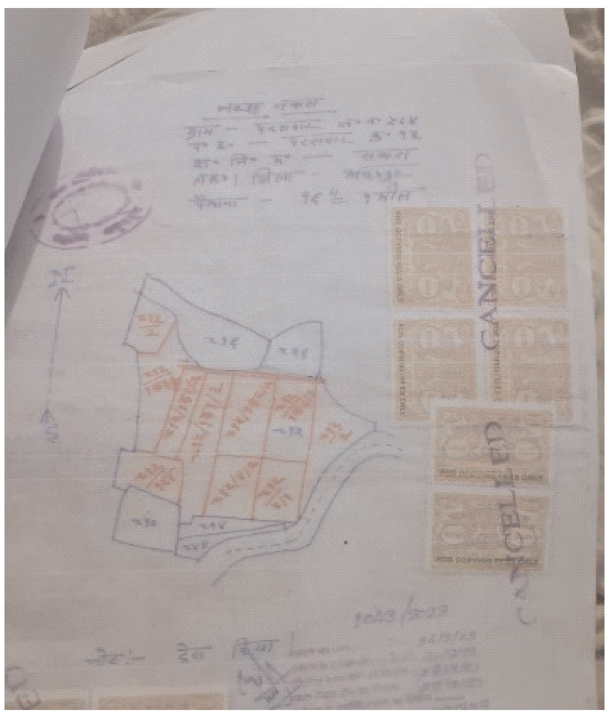

**तहसीलदार अनुपपुर का कहना**
मेरे कोर्ट में इस संबंध में कोई प्रकरण विचाराधीन नहीं है नाला पाटने का कोई साक्ष्य हो तो वह कलेक्टर सर के समक्ष प्रस्तुत कर सकते है, जबकि साक्ष्य तो राजस्व रिकॉर्ड स्वयं ही है।

## अध्यक्ष नारायण सोमानी ने कहा जावद वार्ड नम्बर 5 निवासी 74 वर्षीय रामेश्वरलाल दर्जी बना रहे है वर्षो से भगवान की आकर्षण पौषाक, हिंदूवादी नेता नारायण सोमानी, श्याम सारडा, राहुल सिसोदिया, आचार्य बुद्धिप्रकाश व्यास ने कहा शीघ्र ही नागरिक अभिनंदन करके किया जाएगा सम्मान

जावद। अध्यात्मिक नगरी जावद में स्टेशन रोड वार्ड नंबर 5 स्थित नामदेव कालोनी निवासी राजमल अभिसार टेलर के पिताजी नगर के वरिष्ठ रामेश्वरलाल दर्जी 74 वर्ष की उम्र में भी अपने हांथो से भगवान की आकर्षण पौषाक ड्रेस बना रहे है। प्रेस क्लब अध्यक्ष एवं हिंदूवादी नेता नारायण सोमानी के भाई जुगल सोमानी, रमा सोमानी, आदित्य सोमानी, अदिति सोमानी के बैंगनपुरा वार्ड नम्बर दो स्थित 5 दिवसीय नवीन गृह प्रवेश राम-कुटीर के भव्य शुभारंभ पर नीमच दरवाजा स्थित माहेश्वरी समाज का लगभग 135 वर्ष पुराना नीज मंदिर श्री रामानुज कोट मंदिर पर श्री रघुनाथ भगवान को आकर्षण वेश-भूषा पौषाक भेट की। श्री रामानुज कोट मंदिर के पुजारी विद्वान पंडित श्री रतनलाल पुरोहित ने भगवान रघुनाथजी का प्रातः विधिविधान से अभिषेक करके पौषाक पहनाकर श्रृंगार किया जो आकर्षण का केंद्र बिंदू रहा। रघुनाथ भगवान की आरती करके सभी भक्तों को प्रसाद वितरित किया। हिंदूवादी नेता नारायण सोमानी को टेलर समाज के वरिष्ठ 74 वर्षीय रामेश्वरलाल दर्जी ने बताया है कि में बचपन से लगभग 18 वर्ष की उम्र से भगवान की पौषाक बना रहा हू मेरी इतनी उम्र होने के बाउजूद भगवान की कृपा से अलग -अलग भगवान की अभी तक हजारो पौषाक बना चुका हू। मुख्यरूप से श्री रघुनाथ भगवान, श्री लक्ष्मीनाथ भगवान, श्री सावलियां सेठ मंडफिया, श्री चारभुजानाथ गढबोर, श्रीनाथजी, द्वारकाधीश सहित देश-प्रदेश एवं मालवा मेवाड के सुप्रसिद्ध मंदिरो के भगवान के पौषाक बना चुका हू। भगवान के साईज की पूरानी पौषाक लाकर देते है उसी की साइज की पौषाक कम दिनो में बना देता हू। वरिष्ठ रामेश्वरलाल दर्जी ने आगे बताया है कि जब भगवान की पौषाक बनाता हू तो किसी को भी हाथ नही लगाने देता हू यहा तक की जब में चाय भी पीता हू तो हाथ धोकर ही आगे का कार्य सनातनी आस्था एवं मन लगाकर करता हू। नीमच जिला प्रेस क्लब कोषाध्यक्ष श्याम सारडा, जावद प्रेस क्लब अध्यक्ष नारायण सोमानी, उपाध्यक्ष राहुल सिसोदिया, ओमप्रकाश कसेरा, आचार्य बुद्धिप्रकाश व्यास, तुषार राठी सहित नगरवासियों ने आकर्षण पौषाक बनाने वाले रामेश्वरलाल दर्जी की प्रशंसा करके धन्यवाद माना साथ ही कहा शीघ्र ही किसी कार्यक्रम में टेलर साहब का साल, श्रीफल, केसरिया दुपट्टा ओढाकर स्वागत, सम्मान करके नागरिक अभिनंदन किया जाएगा।

# उभरते नेता नारायण सोमानी ने बनाया आज से 5 वर्ष पहले 18 जनवरी 2019 को नगर स्वच्छता अभियान व्हाटसएप ग्रूप

## नगर में बना संजीवनी बूटी, अध्यक्ष सोमानी ने कहा ग्रूप के माध्यम से हो रही है जनसमस्याए हल

जावद। जावद में उभरते नेता नारायण सोमानी ने जावद नगर स्वच्छता अभियान में नंबर 1 बने सपना साकार हो इसी उद्देश से आज से 5 वर्ष पहले 18 जनवरी 2019 नगर स्वच्छता अभियान व्हाटसएप ग्रूप बनाया था। जब यह नगर स्वच्छता अभियान व्हाटसएप ग्रूप बनाया तब लौग स्वच्छता के प्रति भलीभाती समझते भी नही थे ना ही स्वच्छता को लेकर कोई परिचित थे? तब धार्मिक, सामाजिक, राजनेतिक साथ ही चौथा स्तम्भ पत्रकारिता क्षेत्र में अग्रणी रहने वाले वर्तमान में प्रेस क्लब अध्यक्ष नारायण सोमानी ने यह नगर स्वच्छता अभियान व्हाटसएप ग्रूप बनाकर नगर की सैकडो जनसमस्याए ग्रूप के माध्यम से हल करके जननेता नाम से प्रसिद्ध हुए साथ ही यह नगर स्वच्छता अभियान व्हाटसएप ग्रूप अभी वर्तमान में संजीवनी बुटी के रूप में यादगार एवं सार्थक साबित होता हुआ दिखाई दे रहा है। मंगलवार को जावद वार्ड नम्बर 1 निवासी महिला नेत्री रेखा चंदेल, डाक्टर मनोहर कोली ने स्वच्छता व्हाटसएप ग्रूप में लिखा हमारे वार्ड नम्बर 1 रामदेव मार्ग,

खटिक मौहल्ला सहित हमारे यहा पिछले 15 दिनो से नालियों की सफाई नही हो रही है जिससे किडे एवं मच्छर से बीमारी होने का अंदेशा है। बधुवार को प्रातः नगर परिषद दरोगा अनिल राडोदिया ने सहायक दरोगा राजु राडोदिया सहित स्वच्छता की टीम भेजकर नालियों की साफ सफाई करके स्वच्छता का संदेश दिया। वार्ड नम्बर 1 निवासी महिला नेत्री रेखा चंदेल, डॉ. मनोहर कोली, अर्जुन चंदेल, अनिल चंदेल सहित वार्डवासियों ने सफाई होने पर सफाईमित्रों एवं नगर स्वच्छता अभियान व्हाटसएप ग्रूप का धन्यवाद माना। उल्लेखनीय है कि जावद नगर परिषद स्वच्छता संर्वेक्षण 2022 में ब्रांड एंबेसडर नारायण सोमानी, दरोगा अनिल राडोदिया की जुगलबंदी से स्वच्छता टीम ने नगर एवं चारों और ताबडतौड साफ-सफाई साथ ही नगरवासियों के सहयोग से जावद नगर पहली बार स्वच्छता की रेकिंग में देश में 26वॉ. स्थान एवं प्रदेश में 17वॉ. स्थान पाकर नंबर 1 बना जो नगर के इतिहास में स्वर्णिम अक्षरो में नाम दर्ज हुआ जो जननेता नारायण सोमानी का जो सपना था वो साकार हुआ।

# ताप्ती महोत्सव को लेकर बैठक सम्पन्न हुई

बुरहानपुर --ऐतिहासिक नगर बुरहानपुर में प्रति वर्षानुसार इस वर्ष भी ताप्ती महोत्सव को लेकर जिला संयोजक महेश खंडेलवाल एवं अध्यक्ष ताप्ती सेवा समिति श्रीमती सरिता भगत की प्रमुख उपस्थिति में एक बैठक राजपुरा स्थित निज निवास पर संपन्न हुई. बैठक में आयोजन के गरिमामय स्वरुप को अंतिम रूप दिया गया, दिनांक 21, 22 एवं 23 दिसंबर 24 को होने वाले तीन दिवसीय इस महोत्सव में पहले दिन माँ ताप्ती का पूजन शाम 5 बजे से तथा चुनरी अर्पण, दूसरे दिन ताप्ती अलंकरण एवं तीसरे दिन सांस्कृतिक कार्यक्रम स्थानीय आडिटोरियम में सम्पन्न होंगे द्य महोत्सव की तैयारीयों को अंतिम रुप देने के लिए ताप्ती सेवा समिति के संरक्षक राजीव खेडकर, उपाध्यक्ष प्रेमलता सांकले, मंसूर सेवक, सचिव धर्मेंद्र सोनी, विजय

अयरे, तथा घनश्याम मालवीय ने अपने विचार प्रस्तुत कियेद्य इस संयुक्त बैठक में समिति के पदाधिकारी राजेश भगत, अरुण जोशी, अजय राठौर, अताउल्ला खान, विजय राठौर, अर्चना चितारी धर्मेंद्र भंडारी आदी उपस्थित रहे लिए ।महोत्सव को सफल बनाने की जिले की जनता से अपील की गई है

# पांच लाख भक्त पहुँचे सियाराम बाबा के अंतिम दर्शन के लिए

**खरगोन.......**
.मां नर्मदा के परम भक्त हनुमान सियाराम बाबा बुधवार सुबह ब्रह्मलीन हो गए इसके बाद नर्मदा तट स्थित आश्रम में जो भक्तों का सैलाब उमड़ा व देखने लायक रहा पीपलगोंन के तेली भत्यान तक के करीब 5 किलोमीटर के मार्ग पर पूरा दिन पेर रखने तक की जगह नहीं रही शाम तक तो यह स्थिति हो गई की पीपलगोंन में ही बेरी गेट लगाकर लोगों को प्रवेश रोकना पड़ा ग्राम तेली भत्यान की हर गली श्रद्धालुओं से पट्टी नजर आई वहीं बुधवार को गांव में एक घर भी चूल्हा नहीं जला पीपलगोन में एक ही भी प्रतिष्ठा नहीं खुला हनुमान भक्त बाबा की प्रभु चरण कमल में जा बसने ने सभी भक्तों को रुला दिया निमाड़ में ऐसा नजारा पहली बार देखने को मिला सुबह से शुरू हुआ या कार्यक्रम देर रात तक जारी रहा पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार बुधवार सुबह 4·00 मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव तेली भटियां आश्रम आना तय था कम एम के आने तक प्रशासन द्वारा चार पहिया वाहन वह बड़े वाहनों व् दो पहिया वाहनों के समीप ही रुकवाया गया वहीं भक्त करीब 3 किलोमीटर पैदल चलकर ही आश्रम जा रहे थे मुख्यमंत्री के पहुंचने तक समय भक्तों के दर्शनों की कतार को कुछ समय के लिए रोका गया लेकिन जैसे ही मुख्यमंत्री वापस लौटे और बाबा के पार्थिव को डोली में रखा गया भक्तों की भीड़ में धक्का मुक्की की स्थिति बनी हालांकि आश्रम के सेवादार ग्रामीण वह पुलिस प्रशासन व्यवस्था जूठाने में लगे रहे इसके बाद भक्तों के आने की संख्या तेजी से बढ़ाने लगी इस देखते हुए पुलिस ने पीपलगोन में ही बेरी गेट लगाकर रास्ता रोकता पड़ा बाबा के पंच तत्व में विलेन होने होने के बाद सेवादारों ने बुधवार बताया कि गुरुवार को संत समाज की बैठक होगी इसके बाद बाबा के कार्यक्रम आदि को लेकर निर्णय किया जाएंगे बाबा के अंतिम दर्शन के लिए श्रद्धांजलि दी वही गायत्री परिवार जामली सेंधवा के सदस्य ब्रह्माकुमारी संस्था के प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष गुप्ता व ज्योति दीदी शाहिद क्षेत्र के कई जनप्रतिनिधि व संत महत्व भी पहुंचेंगे।

बाढ़ आने पर नहीं छोड़ते थे आश्रम
मां नर्मदा में भीषण बाढ़ आने पर गांव के घर डूब जाते हैं ग्रामीण सुरक्षित जगह पर चले जाते हैं लेकिन बाबा अपना आश्रम छोड़कर कहीं नहीं जाते थे वह आश्रम में ही बैठकर रामचरितमानस का पाठ करते थे बाढ़ का पानी उतरने के बाद ही जब गाव वाले पूछते थे तो कहते थे कि मां नर्मदा जी आई थी दर्शन आशीर्वाद देकर चली गई मां नर्मदा से क्या डरना बाबा के आश्रम में कुत्ते भी आश्रम में ही रहते हैं

दिन भर जला श्रद्धांजलि का काम
बाबा की ब्रह्मलीन होने की सूचना के से भक्तों ने सोशल मीडिया के माध्यम से उन्हे श्रद्धांजलि देने पूरा दिन या कार्यक्रम जारी रहा इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ साहित लोगो ने भी श्रद्धंजलि दी ।

**हनुमान जी के भक्ति रामचरितमानस का पाठ दिनचर्या बनी** संत श्री सियाराम बाबा ने भटियां बुजुर्ग पहुंचने के बाद नर्मदा किनारे कुटिया बने इसके बाद हनुमान जी की मूर्ति स्थापित हनुमान जी की भक्ति राम नाम जब वह रामचरितमानस का पाठ के साथ परिक्रमा वासियोभी करते थे यही दिनचर्या में शामिल था करीब दो दशक पहले किसी व्यक्ति ने रामचरितमानस को हाथ लगाकर प्रणाम कर दिया थ हनुमान जी की मूर्ति को छुआ था गांव के की कुछ लोगों ने इस पर आपत्ति ली विवाद की स्थिति भी बनी थी संत श्री के लिए जाती धर्म में कोई मायने नहीं थे वह सभी भक्त एक समान मानते थे उनको यह बात पसंद नहीं आई लेकिन कुछ लोग नहीं माने वे दुखी होकर बाबा ने रामचरितमानस को तुलसी वृंदावन के नीचे रखा और हनुमान जी मंदिर सहित सीमेंट व इट से बंद करवा दिया तब से रामचरित मानस की पुस्तक वही है।

मुख्यमंत्री पहुँचे प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव बुधवार दोपहर करीब 3 बजे तेली भत्यान में नर्मदा तट स्थित आश्रम पहुंचे मुख्यमंत्री ने सियाराम बाबा की पार्टिव शरीर को प्रणाम किया और पुष्प अर्पित किया इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रभु श्री राम के अनन्य भक्त. है भक्ति निमाड़ के दिव्या संत पूज्य श्री सियाराम बाबा जी का ब्रह्मलीन सेवा होना संत समाज संपूर्ण प्रदेश के लिए अपूरणीय क्षति है नर्मदा साधना और मां नर्मदा की सेवा में समर्पित पूज्य सियाराम बाप ने अखंख्य श्रद्धालुओं के जीवन को दिशा प्रदान की है मुख्यमंत्री ने आश्रम के समक्ष नर्मदा घाट पर निर्माण हुआ आश्रम परिसर में बाबा की समाधि

स्थल निर्माण सहित ग्राम को धार्मिक पर्यटन नगरी के रूप में विकसित करने की घोषणा की साथ ही कहा कि यदि ग्रामीण को मंजूर हो तो ग्राम तेली भत्यान की जगह गाव का नाम से सियाराम धाम किया जाएगा इस दौरान मुख्यमंत्री के साथ गजेंद्र पटेल,कलेक्टर कर्मवीर शर्मा,एसपी धर्मराज मिना व विधायक उपस्थित थे।

# दस दिवसीय विशाल पुर्ण बॉडी चेकअप एवं निदान शिविर का हुआ शुभारंभ

**झाबुआ**
रोटरी क्लब अपना के अध्यक्ष महेंद्र सोलंकी वरिष्ठ रोटेरियन मांगीलाल जी नायक एवं कांतिलाल जी नीमा ने दीप प्रज्वलित कर शिविर का शुभारंभ किया रोटरी क्लब के अध्यक्ष महेन्द्र सिंह सोलंकी एवं सचिव कमलेश गरवाल के नेतृत्व में इस वर्ष भी रोटरी क्लब अपना मेघनगर के तत्वाधान में 10 दिवसीय विशाल पुर्ण बॉडी चेकअप एवं निदान शिविर आयोजित किया जा रहा है इस अवसर पर उपस्थित रोटरी क्लब के डॉक्टर किशोर नायक ने बताया कि इस शिविर में थायराइड प्रोफाइल तीन जांच, किडनी प्रोफाइल पांच तरह की जांच, कोलस्ट्रोल प्रोफाइल सात तरह की जांच, आयरन प्रोफाइल तीन तरह की जांच लिवर प्रोफाइल की जांच शुगर प्रोफाइल दो तरह की जांच विटामिन प्रोफाइल दो तरह की जांच इलेक्ट्रोलाइट दो तरह की कुल 65 तरह कि जावेगी उक्त जांच से शरीर में होने वाली बड़ी बीमारियों का पता लग सकता है रोटरी क्लब अपना के संस्थापक अध्यक्ष भरत मिस्त्री ने बताया कि मनुष्य आजकल की दौड़ धूप में अपनी शरीर की बीमारियों के बारे में पता ही नहीं चलता की कब कौन सी समस्या शरीर में हो जाए इस हेतु रोटरी क्लब अपना के माध्यम से संपूर्ण बॉडी चेकअप शिविर आयोजित किया जा रहा है इस शिविर में ब्लड का सैंपल लिया जाएगा ओर अहमदाबाद की बड़ी लेब में रोटरी क्लब अपना के माध्यम से मात्र 900/- रुपए में 65 तरह की जांच होगी यह जांच बड़े शहरों हजारों रुपए खर्च होते परंतु रोटरी के माध्यम से कम खर्चे में अधिक लाभ मिलेगा साथ ही पडवाल हॉस्पिटल मेघनगर के डॉ सोहन गणावा एम.डि. मेडिसन डॉक्टर पूर्व सीनियर रेजिडेन्ट हमीदिया हॉस्पिटल भोपाल एवं पूर्व सीनियर एम्स रेजिडेन्ट द्वारा निशुल्क निदान किया जाएगा यूनिक पैथोलॉजी के बंटी मोटवानी ने बताया कि रोटरी के साथ हम भी इस मानव सेवा के महाकुंभ में अपनी सहभागिता देते हुए मानव सेवा के लिए तत्पर हैं और यह जांच शिविर दिनांक 10 से 19 दिसंबर 24 प्रात: 10 से शाम 6 तक युनिक पेथोलोजी स्टेशन मेघनगर में ब्लड सेम्पल लिए जाएंगे जो शिवीर स्थल तक आने में असमर्थ एसे व्यक्ति निम्न मोबाइल 9827341073 पर फोन करे उनके टेस्ट सेम्पल घर पर आकर ले जाएगें यह सुवीधा केवल मेघनगर वालो के लिए रोटरी क्लब अपना आप सभी से अनुरोध करता है कि इस शिविर का अधिक से अधिक संख्या में पधार कर लाभ लेवे

# ग्राम रक्षा समिति सम्मेलन आयोजित पटेल तड़वी सहित ग्रामीण रहे मौजूद

**झाबुआ**
ग्राम भगोर में आज ग्राम रक्षा समिति सम्मेलन का आयोजन झाबुआ मुख्य पुलिस अधीक्षक पद्म विलोचन शुक्ल के मुख्य आतिथ्य में कल्याणपुरा पुलिस विभाग द्वारा आयोजित किया गया। इस अवसर पर विभिन्न ग्राम के पटेल, तडवी, पंच, सरपंच , ग्रामीण आदि उपस्थित रहे। रक्षा सखि मित्र प्रभारी अनीता तोमर ने उपस्थित समुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि अपने बच्चों की हर गतिविधि का ध्यान रखें । और उन्हें मोबाइल चलाते वक्त सावधानी बरतने को कहै । अच्छे संस्कार दे। साइबर क्राइम एक्सपर्ट दिलीप मोरे ने बताया कि आपको सीम दुकान से लेना है छतरी वालों से नहीं ।और मोबाइल में फेसबुक व्हाट्सएप पर आने वाली एपीके फाइल को नहीं खोलें। फर्जी लिंक से बचें। कल्याणपुर टी आई निर्भय सिंह भूरिया ने ग्रामीण जनों से शादी में कम खर्च करने और डीजे एवं शराबबंदी हेतु प्रेरित किया। इससे पूर्व जिला पुलिस अधीक्षक में आते ही मंदिर में श्री हनुमानजी के दर्शन किए। आपने अति वृद्धा शीपला बा का सम्मान किया। पश्चात सरपंच द्वारा उन्हें पगड़ी पहनाई । ग्रामीण जनों ने उनका स्वागत सत्कार किया। ग्राम के रतन डामोर भगत ने भीली गीत में बेटियों के बारे में लोगों को जागृत किया। सभा को संबोधित करते हुए एस पी पद्म विलोचन शुक्ल न ने कहानी के माध्यम से ग्रामीण जनों को जागृत किया । समझाया कि ज्यादा दहेज लेने पर आपकी खुद की बेटी को मजदूरी करना पड़ती है । शालेय बच्चों से कहा कि अपने जीवन में लक्ष्य बनाएं और मेहनत करें । तड़वी पटेल को समझाया कि भांजगड़ी करते वक्त दहेज , दापा कम से कम ले। और शादी में खर्च कम करें। शराब सेवन न करें । शराब आपका घर बर्बाद कर देती है। दुर्घटनाओं से बचने के लिए हेलमेट का प्रयोग अवश्य करें। पश्चात सभी को नशा मुक्ति एवं जागरूकता हेतु शपथ दिलाई गई। अंत में सभी ने मिलकर सहभोज किया ।

# खाचरोद नगर के लिए भी हुई रायसुमारी छाजेड़ का नाम आया

**खाचरोद**
भाजपा में नए मंडल अध्यक्ष बनाए जाने की प्रक्रिया तेज हो गई है और इसके लिए खाचरोद नगर मंडल के लिए राई सुनाई डाक बंगले पर हुई जिसमें चुनाव प्रभारी के रूप में गणपत डाबी और कैलाश विपट पहुंचे ! खाचरोद नगर के 30 बूथ केदो से 28 अध्यक्ष इस राइसमारी में सम्मिलित हुए जिन्होंने अध्यक्ष पद हेतु अपने पसंदीदा तीन नाम की पर्ची चुनाव प्रभारी को सौंप दी ! इसके पूर्व खाचरोद मंडल अध्यक्ष हेतु वर्तमान अध्यक्ष अनिल छाजेड़, रितेश गगरानी, रोहित राठौर, महेश माली, श्रीमनीष शर्मा, श्रीमतीमधु सोलंकी बंटी जायसवाल, ने अध्यक्ष के लिए अपनी दावेदारी प्रस्तुत की ! राजकुमारी में सम्मिलित हुए भूत के अध्यक्षों की जिस प्रकार से बातें राजकुमारी के दौरान सामने आ रही थी उससे तो ऐसा लगता है कि अधिकांश लोगों ने वर्तमान मंडल अध्यक्ष को अपनी पसंद बताया और हो सकता है वह रिपीट भी हो जाए वही तेरी भाजपा महिला के नाम पर विचार करती है तो फिर यहां दो महिला भी दावेदार है ! भाजपा में संगठन चुनाव की प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है 11 दिसम्बर को स्थानीय स्तर पर बुथ अध्यक्ष से भी रायशुमारी की जाएगी, भाजपा द्वारा एक बार फिर मण्डल अध्यक्ष के लिए उम्र 45 वर्ष कर 2018 की कहानी दोहराने की तैयारी कर ली गई है ऐसे में अनुभवी कार्यकर्ताओं की एक बड़ी टीम को अनिवार्य सेवा निवर्ती की ओर धकेलने का प्रयास किया जा रहा है 2018 में पार्टी द्वारा किया गया यह प्रयास पूर्णत: विफल रहा था यही कारण था कि अधिकांश स्थानों पर मण्डल अध्यक्ष व वरिष्ठ नेताओं में सामंजस्य स्थापित ही नही हो पाया था वैसी ही स्थिति फिर निर्मित कर पार्टी क्या संदेश देना चाहती है यह समझ से परे है, क्योंकि उम्र 45 वाले कार्यकर्ता तो 2004 में सत्ता सुख के साथ सम्मिलित हुए थे उन्हें महिमा मण्डित किये जाने की तैयारी है वास्तव में जिन कार्यकर्ताओं ने अथक परिश्रम कर संघर्ष किया उन्हें उचित अवसर पर पुरुस्कृत करने की बजाय तिरस्कृत क्यो किया जा रहा है, नागदा खाचरौद विधानसभा क्षेत्र की बात करे तो 4 मण्डल अध्यक्ष में से 3 अध्यक्ष को 15 जनवरी 2024 को ही नियुक्ति की गई थी इन तीनो अध्यक्ष को 10 माह बाद ही उम्र के बंधन बता कर पदों से मुक्त किये जाने की तैयारी है, नागदा ग्रामीण अध्यक्ष पर लालसिह अमलावड़िया, खाचरौद नगर मण्डल में अनिल छाजेड व खाचरौद ग्रामीण में लालसिह सिसोदिया की नियुक्ति की गई थी, तीनो अध्यक्ष को 4 माह लोकसभा चुनाव व 3 माह संगठन चुनाव कराने में ही व्यतीत हो गया उन्हें कार्य करने का पर्याप्त अवसर ही नही दिया गया ऐसे में पार्टी ने उम्र का बंधन लादकर इन्हें हटाने की तैयारी कर ली है जबकि जमीनी हकीकत यह है कि तीनों मण्डल अध्यक्ष ने मात्र 10 माह में ही लोकसभा चुनाव में बढ़त को दुगनी से भी ज्यादा करने में महती भूमिका निभाई है संगठन का अच्छा कार्य करने के बावजूद उम्र का बंधन तीनो को बाहर का रास्ता दिखा रहा है , अब देखना यही है कि इन तीनो का हश्र क्या होता है , या संगठन इन्हें यथावत रखेगा संघठन इस बात विचार कर सकता है सोमवार को रायशुमारी के दौरान जिला चुनाव अधिकारी के समक्ष कुछ वरिष्ठ नेताओं ने यह बात रखी थी कि जिन मण्डल अध्यक्ष को 10 माह पूर्व ही बनाया गया है उन्हें कैसे हटाया जा रहा है तो उस पर चुनाव अधिकारी श्री खत्री ने कहा था

# निमाड के संत सियाराम बाबा पंचतत्व में विलीन चंदन की लकड़ी से सजी चिता

**खरगोन**

**सुबह से देर शाम चला रहा भक्तों का आना-जाना**

**लाखों की संख्या में भक्त अंतिम दर्शन करने पहुंचे**

निमाड़ के संत श्री सियाराम बाबा का निधन बुधवार सुबह 6ः00 के लगभग हो गया 110 वर्ष की आयु में निधन लाखों श्रद्धालुओं ने नम आंखों से दी विदाई सीएम डाक्टर मोहन यादव भी पहुंचे निमाड के प्रसिद्ध संत सियाराम बाबा पंचतत्व में विलीन हो गए। खरगोन के कसरावद के तेली भट्यान गांव में नर्मदा किनारे करिब 4 बजे उनका अंतिम संस्कार किया गया। साधु-संतों ने उन्हें मुखाग्नि दी। इस दौरान लाखों की संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं ने नम आंखों से उन्हें विदाई दी। सीएम डाक्टर मोहन यादव भी अंतिम संस्कार में शामिल हुए। इससे पहले सियाराम बाबा की उनके आश्रम से नर्मदा घाट तक अंतिम यात्रा निकाली गई। इस दौरान श्रद्धालुओं ने जय सियाराम के नारे लगाए। करीब 3 लाख लोगों ने बाबा के अंतिम दर्शन किए। दोपहर करीब 3 बजे सीएम डाक्टर मोहन यादव ने आश्रम पहुंचकर बाबा को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने बाबा की समाधि व क्षेत्र को पवित्र और पर्यटन स्थल बनाने की घोषणा की। बता दें कि प्रसिद्ध संत सियाराम बाबा का 1 सौ 10 वर्ष की आयु में निधन हो गया। बाबा ने बुधवार को मोक्षदा एकादशी पर सुबह 6 बजकर 10 मिनट पर अंतिम सांस ली। बाबा पिछले 10 दिन से निमोनिया से पीडीत थे। निधन से देशभर में उनके अनुयायियों में शोक की लहर है। 5 किलोमीटर पैदल चलके आश्रम पहुंचे लाखों लोग बाबा के निधन की खबर के बाद सियाराम बाबा को चाहने वाले लाखों लोग भट्टयान पहुंचे यहां अंतिम दर्शन के लिए सुबह 9 बजे बाबा का पार्थिव शरीर आश्रम के ओटले पर रखा गया करीब 7 घंटे में लगभग 3 लाख भक्तों ने बाबा के अंतिम दर्शन किए बता दें कि बाबा के दर्शन करने लोगों की इतनी भीड उमडी कि आश्रम से 5 किलोमीटर दूर ग्राम पिपलगोन में लोगों को रोक दिया यहां लोग वाहन खडे करके पैदल आश्रम पहुंचे, जबकि नर्मदा के पार भी तट पर बाबा की एक झलक पाने के लिए हजारों लोगों की भीड जमा हो गई ग्राम मोगावा और धरगांव में बडी एलईडी स्क्रीन पर लाइव प्रसारण दिखाया गया ।

**अशोकनगर** अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सवगीता जयंती के अवसर पर जिला स्तरीय कार्यक्रम सरस्वती विद्या मंदिर अशोकनगर में कलेक्टर श्री सुभाष कुमार द्विवेदी द्वारा विभिन्न गतिविधियों में भाग लेने पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर पुरूस्कृत किया गया।

# शतप्रतिशत किसानों की फार्मर रजिस्ट्री कराएं - कलेक्टर सुश्री बाफना

**शाजापुर**

**ग्रामों का भ्रमण कर राजस्व महाअभियान के तहत संचालित गतिविधियों की कलेक्टर ने समीक्षा की**

**कलेक्टर सुश्री ऋजु बाफना ने आज ग्राम झोंकर, हनोती, लालुपुरा, पलसावदसोन, जहानपुर, बर्डियासोन, बेरछी एवं बेरछा तथा मक्सी का भ्रमण कर विभिन्न कार्यों का निरीक्षण किया।**

हनोती, लालुपुरा, पलसावदसोन, बर्डियासोन एवं बेरछा में कलेक्टर सुश्री बाफना ने राजस्व महाअभियान 3.0 के तहत संचालित गतिविधियों का निरीक्षण किया। कलेक्टर ने नायब तहसीलदार एवं पटवारी को निर्देश दिये कि अभियान के दौरान शतप्रतिशत किसानों की फार्मर रजिस्ट्री अनिवार्य रूप से करवाएं। साथ ही किसानों के भू-अभिलेख को आधार एवं समग्र से लिंक कराएं और बटवारा कर नक्शा तरमीम करें। ग्रामों में मुनादी कराकर किसानों को बताएं कि फार्मर रजिस्ट्री के आधार पर ही अब पीएम किसान कल्याण की राशि किसानों को प्राप्त होगी। अतः सभी किसान फार्मर रजिस्ट्री अनिवार्य रूप से कराएं। ग्राम लालुपुरा में किसानों ने रास्ते एवं जमीन के विवाद के निराकरण का अनुरोध किया। कलेक्टर ने अनुविभागीय अधिकारी को कर्रवाई करने के निर्देश दिये। इन ग्रामों में कलेक्टर ने 70 वर्ष से अधिक के बुजुर्गों के आयुष्मान कार्ड बनाने की स्थिति की समीक्षा कर शतप्रतिशत बुजुर्गों के आयुष्मान कार्ड बनाने के निर्देश दिये। साथ ही कलेक्टर ने सरपंचों एवं ग्रामीणजनों से ग्रामों की पेयजल की स्थिति एवं अन्य समस्याओं की जानकारी भी ली।

**पुरानी सामग्री का निपटान करें**
कलेक्टर सुश्री बाफना ने मक्सी के कन्या सीनियर छात्रावास के निरीक्षण के दौरान जिला संयोजक श्रीमती मीना मण्डलोई को छात्रावासों में रखी पुरानी सामग्री का नियमानुसार निपटान करने के निर्देश दिये। साथ ही कलेक्टर ने इस छात्रावास में बने कव्हर्ड बॉक्स अन्य छात्रावासों में भी बनाने के लिए कहा। छात्रावास के खराब फर्नीचर की मरम्मत कराने और विद्युत की समस्या का समाधान करने के निर्देश भी कलेक्टर ने दिये।

**सोयाबीन उपार्जन केन्द्रों का निरीक्षण** भ्रमण के दौरान कलेक्टर सुश्री बाफना ने मक्सी एवं शाजापुर के सोयाबीन उपार्जन केन्द्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने समिति प्रबंधकों को सोयाबीन का भुगतान किसानों को करने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने कहा कि भुगतान में सावधानी बरतें, किसानों का भुगतान असफल नहीं हो। मक्सी के खरीदी केन्द्र केन्द्रीय वेयर हाउस में 7896 क्विंटल एवं शाजापुर के खरीदी केन्द्र मॉ पिताम्बरा में 6842 क्विंटल सोयाबीन की खरीदी अब तक हुई है।

**शिक्षिका के निलम्बन के लिए नोटिस देने के निर्देश** झोंकर के शासकीय बालक प्राथमिक विद्यालय में एफएलएन गतिविधियों के निरीक्षण के दौरान कक्षा 1 एवं 2 के बच्चों में शैक्षणिक गुणवत्ता की कमी एवं शिक्षिका द्वारा बच्चों में गुणवत्ता बढ़ाने के प्रयास नहीं करने को देखते हुए कलेक्टर ने यहां पदस्थ शिक्षिका श्रीमती सुभा श्रीवास्तव के निलम्बन के लिए नोटिस देने के निर्देश दिये। कक्षा 3 की एफएलएन गतिविधियों का कलेक्टर ने निरीक्षण किया। यहां कलेक्टर ने बच्चों से कहानियों की किताबें पढ़वाई एवं जोड़-घटाना कराया।

**किताब घर जंक्शन में प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित किताबों की संख्या बढ़ाएं**
कलेक्टर सुश्री ऋजु बाफना ने ग्राम झोंकर के किताब घर जंक्शन के निरीक्षण के दौरान यहां अध्ययन करने आए युवाओं की किताबों की संख्या बढ़ाने के अनुरोध को देखते हुए प्रतियोगी परीक्षाओं की किताबों की संख्या बढ़ाने के निर्देश दिये। यहां अध्ययन करने आए युवाओं ने बताया कि किताब घर जंक्शन से उन्हें अच्छा फायदा हो रहा है। पहले वे उज्जैन या अन्य स्थानों पर अध्यापन करने जाते थे। अब उनके ग्राम में ही सुविधा होने से उन्हें बाहर नहीं जाना पड़ता, इससे उन्हें आने-जाने के व्यय से राहत मिली है।

**गौशाला का संचालन स्वसहायता समूह को सौंपे**
ग्राम हनोती की गौशाला के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर सुश्री बाफना ने सरपंच को निर्देश दिये कि वे गौशाला के संचालन का कार्य स्वसहायता समूह को दें। कलेक्टर ने यहां तालाब बनाने की साईट तय करने के निर्देश दिये। कलेक्टर सुश्री बाफना ने नर्मदा-लिंक परियोजना के लिए बन रहे लखुन्दर जलाशय पर बन रहे इंटेकवेल, जहानपुर में निर्माणाधीन डब्ल्यूडीपी तथा ग्राम बेरछी में निर्माणाधीन एमबीआर का निरीक्षण कलेक्टर ने किया। भ्रमण के दौरान जिला पंचायत सीईओ श्री संतोष टैगोर, कार्यपालन यंत्री पीएचई श्री विजय सिंह चौहान, अनुविभागीय अधिकारी शाजापुर सुश्री मनीषा वास्कले सहित क्षेत्रीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

### जानें कौन हैं राजेंद्र मेघवार

# पाकिस्तान ने 75 सालों के इतिहास में पहली बार हिंदू को बनाया पुलिस अधिकारी

पाकिस्तान ने अपने 75 सालों के इतिहास में पहली बार एक हिंदू पुलिस अधिकारी की नियुक्ति की है। सिंध प्रांत के बदीन जिले से ताल्लुक रखने वाले राजेंद्र मेघवार ने पाकिस्तान सिविल सर्विस परीक्षा पास कर यह उपलब्धि हासिल की। राजेंद्र को फैसलाबाद में सहायक पुलिस अधीक्षक (स्क्क) के पद पर तैनात किया गया है। सिंध प्रांत के बदीन जिले के रहने वाले राजेंद्र मेघवार ने पाकिस्तान सिविल सर्विस परीक्षा पास करके यह उपलब्धि हासिल की है। उन्हें

फैसलाबाद में सहायक पुलिस अधीक्षक के पद पर तैनात किया गया है। राजेंद्र मेघवार की नियुक्ति पाकिस्तान में समावेशिता और सहिष्णुता को बढ़ावा देने के लिए एक ऐतिहासिक पहल मानी जा रही है। उनके जैसे लोगों की सफलता यह संदेश देती है कि मेहनत और दृढ़ संकल्प के साथ किसी भी चुनौती को पार किया जा सकता है।

**हिंदू समुदाय के लिए गौरव का पल**

राजेंद्र मेघवार ने अपनी सफलता को हिंदू समुदाय के लिए गर्व का क्षण बताया। उन्होंने कहा, यह मेरी जिंदगी का सबसे बड़ा सपना था। पुलिस विभाग में रहकर मैं जमीनी स्तर पर लोगों की समस्याएं हल कर सकता हूं, जो अन्य विभागों में संभव नहीं है। राजेंद्र ने कहा कि वह अपनी नई जिम्मेदारी के तहत सभी समुदायों को साथ लेकर चलेंगे और अल्पसंख्यकों के अधिकारों के लिए ईमानदारी से काम करेंगे। उनकी इस उपलब्धि से पाकिस्तान के हिंदू समुदाय को एक नई उम्मीद मिली है।

**ग्रामीण पृष्ठभूमि से शुरुआत**

राजेंद्र सिंध प्रांत के बदीन जिले के एक ग्रामीण और आर्थिक रूप से पिछड़े इलाके से आते हैं। सीमित संसाधनों और चुनौतियों के बावजूद उन्होंने कड़ी मेहनत और लगन से पाकिस्तान की सबसे कठिन और प्रतिष्ठित ष्टस्स् परीक्षा पास की। उनकी सफलता से यह साबित होता है कि मेहनत और दृढ़ संकल्प से कुछ भी हासिल किया जा सकता है।

**पुलिस विभाग ने नियुक्ति का किया स्वागत**

पाकिस्तानी पुलिस अधिकारियों ने उनकी नियुक्ति का स्वागत किया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, *हम भाग्यशाली हैं कि हमारे पास एक हिंदू अधिकारी है। इससे पुलिस विभाग में समावेशिता को बढ़ावा मिलेगा और अल्पसंख्यक समुदायों के साथ बेहतर संबंध स्थापित होंगे।* पाकिस्तान में हिंदू सबसे बड़ा अल्पसंख्यक समुदाय है, जो देश की कुल आबादी का लगभग 2 प्रतिशत हिस्सा है। हालांकि, इस्लामिक देश में अल्पसंख्यकों को कई सामाजिक और राजनीतिक चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। राजेंद्र की सफलता को देश में अल्पसंख्यकों के लिए एक सकारात्मक कदम के रूप में देखा जा रहा है।

# बांग्लादेश की कोर्ट से नहीं मिली हिंदू संत चिन्मय दास को राहत, जमानत याचिका खारिज

**इंटरनेशनल डेस्क:** बांग्लादेश की एक अदालत ने राजद्रोह मामले में गिरफ्तार हिंदू संत चिन्मय कृष्ण दास की जमानत याचिका पर अग्रिम सुनवाई से इनकार कर दिया और कहा कि पहले से तय तारीख दो जनवरी को ही सुनवाई होगी।

अदालत के अधिकारियों ने बताया कि चटगांव मेट्रोपॉलिटन सत्र न्यायाधीश सैफ-उल इस्लाम ने याचिका को इसीलिए खारिज कर दिया क्योंकि अग्रिम सुनवाई की अनुरोध वाली याचिका दायर करने वाले वकील के पास संत की ओर से वकालतनामा नहीं था।

अदालत के एक अधिकारी ने कहा, ''वकील रवींद्र घोष ने अग्रिम सुनवाई का अनुरोध तब किया जब एक अन्य वकील ने न्यायाधीश को बताया कि उनके (घोष के) पास संत की पैरवी करने के लिए कोई वकालतनामा नहीं है। इसके बाद न्यायाधीश ने याचिका खारिज कर दी।

घोष ने अपनी याचिका में कहा कि दास को ''झूठे और जाली मामले में गिरफ्तार किया गया है, जबकि वह मधुमेह, दमा और अन्य बीमारियों से ग्रस्त हैं। हालांकि, वकील ने स्वीकार किया कि वह दास से वकालतनाम पर हस्ताक्षर प्राप्त करने के लिए जेल नहीं गए थे।

उन्होंने कहा, ''मैं अब जेल में चिन्मय से मिलूंगा और वकालतनामा (पावर ऑफ अटॉर्नी) हासिल करूंगा। सुनवाई तीन दिसंबर को होनी थी,

लेकिन अदालत ने अभियोजन पक्ष के सुझाव पर तारीख दो जनवरी 2025 तक टाल दी क्योंकि उनकी (संत) ओर से कोई वकील पेश नहीं हुआ।

अंतरराष्ट्रीय कृष्णभावनामृत संघ (इस्कॉन) के पूर्व नेता दास को 25 नवंबर को ढाका के हजरत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर गिरफ्तार किया गया था। अगले दिन चटगांव की एक अदालत ने उन्हें जेल भेज दिया। अदालत ने उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी क्योंकि उन पर देश के झंडे का कथित रूप से अपमान करने के लिए देशद्रोह का आरोप लगाया गया है।

# शेख हसीना ने कहा- मोहम्मद युनूस ही छात्र आंदोलन के मास्टरमाइंड

### उनकी वजह से जल रहा बांग्लादेश

बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना ने सोमवार को बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार और नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद युनूस पर आरोप लगाया कि उन्होंने छात्र आंदोलन की साजिश रची, जिसके कारण उनका सत्ता से हटना हुआ। हसीना ने दावा किया कि यह विरोध प्रदर्शन सुनियोजित तरीके से उनकी सरकार को गिराने के लिए किया गया था। यूके अवामी लीग की एक वर्चुअल बैठक को संबोधित करते हुए शेख हसीना ने कहा, मोहम्मद युनूस ने खुद कहा है कि 7 जुलाई 2024 को शुरू हुआ यह आंदोलन छात्रों द्वारा स्वत: शुरू किया गया आंदोलन नहीं था। यह मेरी सरकार को गिराने के लिए सुनियोजित साजिश थी। सभी मांगें पूरी होने के बावजूद देशभर में विरोध प्रदर्शन जारी रहे। यह एक सोची-समझी साजिश थी।

शेख हसीना ने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार को फासीवादी करार देते हुए कहा कि देश में कानून-व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो गई है। उन्होंने कहा, आज बांग्लादेश कठिन दौर से गुजर रहा है। एक फासीवादी सरकार के तहत, बांग्लादेश के लोग अपने

अधिकारों से वंचित हो गए हैं। पूरा देश जल रहा है... बांग्लादेश को आज तबाह किया जा रहा है। अपदस्थ प्रधानमंत्री ने इस्कॉन के पूर्व पुजारी चिन्मय कृष्ण दास की देशद्रोह के आरोप में गिरफ्तारी को अन्यायपूर्ण बताते हुए उनकी तुरंत रिहाई की मांग की। उन्होंने यह भी कहा कि दास को कानूनी सहायता देने की अनुमति नहीं दी गई, जो देश में न्याय और कानून के खत्म हो जाने का सबूत है।

उन्होंने चिन्मय कृष्ण दास को गिरफ्तार किया और कहा कि कोई भी वकील उनकी पैरवी नहीं कर सकता। हसीना ने कहा कि यह किस तरह का न्याय है? इससे साबित होता है कि बांग्लादेश में कानून-व्यवस्था नहीं बची है। हसीना ने देश में अल्पसंख्यकों और उनके पूजा स्थलों पर हो रहे हमलों पर भी चिंता जताई। उन्होंने सभी समुदायों की धार्मिक स्वतंत्रता और सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील की। 5 अगस्त को छात्र नेतृत्व वाले आंदोलन के बाद हसीना को प्रधानमंत्री पद से हटा दिया गया। इस आंदोलन और हिंसक झड़पों में 600 से अधिक लोगों की मौत हुई। हसीना, जो अब 77 साल की हैं, भारत भाग गईं। इसके बाद अंतरिम सरकार का गठन हुआ, जिसकी अगुवाई मोहम्मद युनूस कर रहे हैं।

### जल्द दौड़ेगी भारत की पहली बुलेट ट्रेन

# देश की पहली 173 करोड़ी क्लाइमेटिक लैब में होगा डिब्बों का टेस्ट

देश में पहली बुलेट ट्रेन को पटरी पर लाने का काम तेजी से आगे बढ़ रहा है। 2026 में भारत में निर्मित पहली हाईस्पीड ट्रेन का ट्रायल शुरू होगा। यह ट्रेन 250-280 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ने में सक्षम होगी। ट्रेन के डिब्बों का निर्माण भारत अर्थ मूवर्स लिमिटेड द्वारा चेन्नई की इंटीग्रल कोच फैक्ट्री में किया जा रहा है। इन डिब्बों का परीक्षण देश की पहली क्लाइमेटिक चेंबर लैबोरेट्री में किया जाएगा। पहले, बुलेट ट्रेन के डिब्बों का आयात जापान से किया जाना था। हालांकि, जापानी डिब्बों की अधिक लागत के कारण अब इन्हें भारत में ही बनाया जा रहा है।

हाई-स्पीड ट्रेन के डिब्बे 250-280 किमी/घंटा की रफ्तार से दौड़ने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं। बीईएमएल को इन डिब्बों के डिज़ाइन, निर्माण, सप्लाई, टेस्टिंग और कमीशनिंग की जिम्मेदारी सौंपी गई है। बीईएमएल चाहता है कि 31 जनवरी 2026 से पहले ढ्रष्टस्न में क्लाइमेटिक चेंबर लैब तैयार हो जाए। सरकारी कंपनी बीईएमएल को दो हाई-स्पीड ट्रेन सेट्स बनाने का कॉन्ट्रैक्ट दिया गया है। इस पूरे प्रोजेक्ट की लागत 867 करोड़ है, जिसमें हर डिब्बे की कीमत ?27.86 करोड़ होगी। बीईएमएल 2026 के अंत तक दो ट्रेन सेट्स तैयार कर सकती है, जिन्हें पहले गुजरात सेक्शन में चलाया जाएगा। क्लाइमेटिक लैब में ट्रेन के डिब्बों को कृत्रिम ठंड, बर्फ और गर्मी जैसी स्थितियों में

टेस्ट किया जाएगा। इस लैब में यह भी जांचा जाएगा कि ट्रेन का ऊर्जा खपत और प्रदर्शन कैसा है। यह लैब भारत की हाई-स्पीड रेल परियोजना का एक अहम हिस्सा है।

बीईएमएल को 2 हाईस्पीड ट्रेन सेट्स बनाने का ठेका मिला है, जिसकी कुल लागत 867 करोड़ रुपयेस्है। हर कोच के निर्माण में करीब 27.86 करोड़ रुपए खर्च होंगे। भारत अब अपनी पहली मेड-इन-इंडिया हाई-स्पीड ट्रेन के डिब्बों का निर्माण कर रहा है, जो मुंबई-अहमदाबाद रेल कॉरिडोर पर चलेगी। जापानी डिब्बों की ज्यादा लागत को देखते हुए अब यह डिब्बे देश में ही बनाए जा रहे हैं। इन डिब्बों का परीक्षण 2026 में चेन्नई की इंटीग्रल कोच फैक्ट्री में बन रही देश की पहली क्लाइमेटिक लैब में किया जाएगा। दस्तावेज़ों के मुताबिक, इस टेस्टिंग पर ?173 करोड़ का खर्च आएगा।

# राजनाथ ने पुतिन से कहा- भारत और रूस मित्रता ''सबसे बड़े पर्वत से भी ऊंची व महासागर से भी गहरी

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शिखर सम्मेलन के दौरान, दोनों पक्षों ने भारत-रूस रक्षा और सैन्य संबंधों को और आगे बढ़ाने का संकल्प लिया था। मोदी ने वार्षिक ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए अक्टूबर में भी रूस की यात्रा की थी। राष्ट्रपति पुतिन प्रधानमंत्री मोदी के साथ वार्षिक शिखर वार्ता करने के लिए अगले साल भारत आने वाले हैं। सिंह ने मंगलवार को बेलौसोव के साथ व्यापक वार्ता के दौरान, सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली 'एस-400 ट्रायम्फ की दो शेष इकाइयों की आपूर्ति में तेजी लाने का रूस पर दबाव बनाया। रूस के रक्षामंत्री के साथ बैठक में सिंह ने विभिन्न सैन्य 'हार्डवेयर (टैंक, विमान, मिसाइल आदि) के संयुक्त उत्पादन में रूसी रक्षा उद्योगों के लिए भारत में नये अवसरों का उल्लेख किया और कहा कि भारत-रूस संबंध बहुत मजबूत हैं तथा इसने एक विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी की जिम्मेदारियों को पूरा किया है।

रक्षा मंत्रालय ने कहा कि सिंह ने देश के घरेलू रक्षा उद्योग की क्षमताओं को सभी क्षेत्रों और औद्योगिक सहयोग में विस्तारित करने के लिए भारत के दृढ़ संकल्प को व्यक्त किया। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि सिंह ने सतह से हवा में मार करने वाली एस-400 मिसाइल प्रणाली की दो शेष इकाइयों की शीघ्र आपूर्ति किये जाने की जोरदार हिमायत की। रूस ने मिसाइल प्रणालियों की पहली तीन रेजिमेंट की आपूर्ति पूरी कर ली है। यूक्रेन संघर्ष के मद्देनजर शेष इकाइयों की आपूर्ति में देरी हुई है। सिंह ने भारत में मिसाइल प्रणालियों के रखरखाव और संबंधित सेवाओं को पूरा करने का भी आह्वान

किया।

वहीं, रूसी रक्षा मंत्री ने दोनों देशों के बीच आपसी विश्वास पर आधारित संबंधों को और प्रगाढ़ करने पर जोर दिया। उन्होंने आईएनएस तुशील के जलावतरण पर भी सिंह को बधाई दी। रूस निर्मित युद्धपोत को सोमवार को सिंह की मौजूदगी में तटीय शहर कालिनिनग्राद में भारतीय नौसेना में शामिल किया गया। मंत्रालय ने कहा, ''उन्होंने कहा कि 2021-31 के लिए सैन्य तकनीकी सहयोग समझौते के संचालन से मेक इन इंडिया को आवश्यक प्रोत्साहन मिलेगा। सिंह ने द्वितीय विश्व युद्ध में मारे गए सोवियत संघ के सैनिकों की याद में मास्को में स्थित 'अज्ञात सैनिक की समाधि पर पुष्पांजलि भी अर्पित की।

ने मंगलवार को मॉस्को में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ बैठक में कहा कि भारत-रूस की मित्रता ''सबसे ऊंचे पर्वत से भी ऊंची और सबसे गहरे महासागर से भी गहरी है। बैठक के बारे में भारत की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, दोनों नेताओं ने कहा कि दोनों देशों के बीच साझेदारी में अपार संभावनाएं हैं और मिलकर किए जाने वाले प्रयास उल्लेखनीय परिणामों का मार्ग प्रशस्त करेंगे। सिंह ने रूस के रक्षा मंत्री आंद्रे बेलौसोव के साथ 'सैन्य एवं सैन्य सहयोग पर भारत-रूस अंतर-सरकारी आयोग के 21वें सत्र की सह-अध्यक्षता करने के बाद पुतिन से मुलाकात की।

रक्षा मंत्रालय की ओर से जारी बयान में कहा गया, ''बैठक के दौरान राजनाथ सिंह ने कहा कि 'हमारे देशों के बीच मित्रता सबसे ऊंचे पर्वत से भी ऊंची और सबसे गहरे महासागर से भी गहरी है। सिंह ने पुतिन से कहा कि भारत अपने रूसी मित्रों के साथ हमेशा खड़ा रहा है और वह भविष्य में भी ऐसा करता रहेगा। रक्षा मंत्री ने राष्ट्रपति पुतिन को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं भी दीं। रक्षा मंत्री ने 'एक्स पर लिखा कि मॉस्को में रूसी राष्ट्रपति के कार्यालय क्रेमलिन में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात करके खुशी हुई। सिंह तीन दिवसीय यात्रा पर रविवार को रूस रवाना हुए थे। रक्षा मंत्री ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मॉस्को की यात्रा करने और पुतिन के साथ शिखर वार्ता करने के पांच महीने बाद रूस की यात्रा की है।

# पार्क में आग ताप रहे बॉडी बिल्डर पर बदमाशों ने दागी 5 गोलियां

**नेशनल डेस्क.** पूर्वी दिल्ली के कल्याण पुरी थाना क्षेत्र के त्रिलोकपुरी सेक्टर 13 में एक युवक को गोली मारे जाने का मामला सामने आया है। जानकारी सामने आई है कि कुछ युवक पार्क में आग के पास बैठकर समय बिता रहे थे। उसी समय वहां एक बदमाश आया और इनमें से एक युवक को पांच गोलियां मार दी। घटना बुधवार रात करीब 12ः30 बजे हुई। गोली लगने के बाद घायल युवक को तुरंत मैक्स हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है।

युवक की हालत गंभीर बताई जा रही है।

पुलिस ने हत्या की कोशिश का मुकदमा दर्ज कर लिया। मामले में जांच शुरु कर दी गई है। घटना स्थल के आसपास लगे CCTV फुटेज को खांगाला जा रहा है। युवक की पहचान त्रिलोकपुरी के रहने वाले रवि के तौर पर हुई है। उसे बॉडी बिल्डिंग का शौक है,जिसमें वह कई अवार्ड भी जीत चुका है। पुलिस ने बताया कि रवि की दूसरे किसी परिवार के साथ तकरीबन 10 सालों से रंजिश चल रही थी।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569